दुर्गांगन' शिलान्यास पर शुभेंदु ने ममता पर साधा निशाना पेज-3

बिष्णुपुर मेले में अभिनेता जीत के कार्यक्रम में हंगामा पेज-6

अलग-अलग तरीकों से टीम में योगदान देकर अच्छा लग रहा है : ट्रेविस हेड पेज-8

सोमवार, 29 दिसम्बर, 2025
पौष, शु.प., नवमी, विक्रमीय संवत् 2082
मूल्य Rs. 4, (कोलकाता Rs. 3)
वर्ष : 21, संख्या : 27, पृष्ठ-8
कोलकाता
RNI No. WBHIN/2005/16483
www.bharatmitranews.com

भारतमित्र

खबरों की नई पहचान

BHARATMITRA, KOLKATA, MONDAY, 29 DECEMBER, 2025

नहीं रहीं ममता वाजपेयी

भारतमित्र परिवार की अन्यतम सहयोगी, दिग्दर्शिका और प्रेरणास्रोत श्रीमती ममता वाजपेयी का रविवार दिनांक 28 दिसंबर 2025 को निधन हो गया। श्रीमती वाजपेयी भारतमित्र की प्रकाशक एवं मुद्रक रही हैं जिनके नेतृत्व में समाचारपत्र उतरोत्तर विकास के सोपान तय करता रहा है। 71 वर्षीय ममता वाजपेयी एल.एस पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड की भी अप्रतिम कर्णधार थीं। उनके आकस्मिक निधन पर पूरा भारतमित्र परिवार शोक संतप्त है।

आज न्यूटाउन में दुर्गांगन का शिलान्यास करेंगी ममता

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी गुरुवार को राज्य सरकार द्वारा कोलकाता में आयोजित व्यापार व उद्योग सम्मेलन के मंच से न्यूटाउन में बनने वाले दुर्गांगन के शिलान्यास की तारीख की भी घोषणा की। 29 दिसंबर को दुर्गांगन का शिलान्यास किया जायेगा। यह कार्यक्रम शाम चार बजे से होगा। मुख्यमंत्री खुद इसका शिलान्यास करेंगी। मुख्यमंत्री ने सम्मेलन में मौजूद उद्योगपतियों को भी इस कार्यक्रम में शामिल होने का आमंत्रण दिया। कोलकाता से सटे न्यूटाउन में दुर्गांगन बनाने का जिम्मा राज्य सरकार ने हिडको को दिया है।

ममता ने इस साल 21 जुलाई को अपनी पार्टी की वार्षिक शहीद दिवस रैली के मंच से दीघा में नवनिर्मित जगन्नाथ मंदिर की तर्ज पर न्यूटाउन में राज्य सरकार की ओर से भव्य दुर्गांगन बनाने की घोषणा की थी। ममता की इस घोषणा के बाद राज्य कैबिनेट ने अगस्त के दूसरे हफ्ते में उस फैसले पर अपनी मुहर लगा दी थी। उसके बाद बिना देर किये राज्य सरकार के हाउसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट बोर्ड (हिडको) ने इसके लिए निविदा आमंत्रित किया। दुर्गांगन न्यूटाउन में इको पार्क के पास रामकृष्ण मिशन के निकट बनेगा।

न्यूटाउन को राज्य की सर्किट टूरिज़्म की योजना लंबे समय से है। इसके पहले ही वहां कुछ दर्शनीय स्थल राज्य सरकार बना चुकी है। अब उस सूची में %दुर्गांगन% भी शामिल होने जा रहा है। सोमवार की शाम मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इसका शिलान्यास करेंगी। न्यूटाउन बस स्टैंड के दूसरी तरफ साढ़े 12 एकड़ जमीन पर दीघा जगन्नाथ मंदिर के रूप में सांस्कृतिक केंद्र तैयार किया जा रहा है। नवंबर महीने में राज्य मंत्रिमंडल ने जमीन की मंजूरी दे दी थी। सूत्रों के अनुसार, पर्यटन विभाग और हाउसिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (हिडको) संयुक्त रूप से इस परियोजना को लागू करेंगे।

न्यूटाउन के इकोपार्क में पिछले कुछ वर्षों में मदर व्हैक्स म्यूजियम, विश्वबांग्ला गेट, एयरक्राफ्ट म्यूजियम, मिनी चिड़ियाखाना बनाया गया है। इसके अलावा विदेशों की तरह हैप्पी स्ट्रीट, सोनाझुड़ी हाट भी पर्यटकों के लिए नए आकर्षण हैं। पर्यटकों के लिए इकोपार्क में दुनिया के सात अजूबे वास्तुकला के रूप में सात निर्माण बनाए गए हैं। बनने के केवल कुछ महीनों में द्वार जगन्नाथ मंदिर रिकॉर्ड पर्यटक खींच रहा है। अनुमान है, दुर्गांगन भी पर्यटकों के लिए समान रूप से आकर्षण का केंद्र बनेगा।

सूत्रों की खबर के अनुसार, दीघा और न्यूटाउन के बाद राज्य में अन्य स्थानों पर भी इस तरह की सर्किट टूरिज़्म योजना है। सिलीगुड़ी में पहले ही महाकाल मंदिर बनाने का ऐलान मुख्यमंत्री कर चुकी हैं। दुर्गांगन की अनुमानित लागत 261 करोड़ 98 लाख 30 हजार 304 रुपये तय की गई है। 24 महीने, यानी दो साल के भीतर %दुर्गांगन% का निर्माण पूरे होने की उम्मीद है।

बांकुड़ा में बीएलओ का फंदे से लटकता शव बरामद

बांकुड़ा । बांकुड़ा के रानीबांध विधानसभा के राजाकाटा इलाके में रविवार को तब सनसनी फैल गयी जब स्कूल के प्रधान शिक्षक का फंदे से लटकता हुआ शव क्लास रुम से बरामद किया गया। मृतक का नाम हराधन मंडल बताया जाता है। मिली जानकारी के मुताबिक शव के पास से एक सुसाइड नोट बरामद किया गया है जिसमें लिखा है, %मैं और दबाव नहीं झेल पा रहा हूं। विदा!% रानीबांध थाना की पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए बांकुड़ा सम्मेलनी मेडिकल कॉलेज में भेज दिया है। स्थानीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मृतक बांकुड़ा के राजाकाटा माझेरपाड़ा प्राथमिक विद्यालय के प्रधान शिक्षक थे जो रानीबांध विधानसभा के बूथ नंबर 206 के बीएलओ की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। बताया जाता है कि बूथ के कुछ मतदाताओं को सुनवाई के लिए चुनाव आयोग ने बुलवाया था। मतदाताओं के दस्तावेजों को इकट्ठा करने की बात कहकर रविवार की सुबह करीब 10 बजे बीएलओ अपने घर से निकले थे। बाद में परिवार के सदस्य उन्हें ढूंढते हुए स्कूल पहुंचे तो वहां उन्हें गेट खुला मिला। एक क्लास रुम में पंखे से फंदे के सहारे लटकता हुआ उनका शव बरामद किया गया। घटना की जानकारी तुरंत जंगल में आग की तरह आसपास के इलाके में फैल गयी। सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के मुताबिक घटनास्थल से बरामद सुसाइड नोट में लिखा हुआ था, बीएलओ के काम के लिए मैं ही जिम्मेदार हूं।

मालगाड़ी के 17 डिब्बे पटरी से उतरे, तीन नदी में गिरे

- जमुई के पास हुआ हादसा
- 13 घंटे से रेल परिचालन ठप

जमुई । जमुई जिले के जसीडीह-झाझा मुख्य रेलखंड पर शनिवार रात करीब 11:40 बजे बड़ा रेल हादसा हो गया। आसनसोल की ओर से झाझा जा रही अपलाइन मालगाड़ी टेलवा बाजार हॉल्ट के पास बरुआ नदी पुल के समीप पटरी से उतर गई। इस दुर्घटना में मालगाड़ी के कुल 17 डिब्बे डिरेल हो गए। इनमें से 10 डिब्बे रेलवे ब्रिज पर ही पलट गए, जबकि 3 डिब्बे नीचे बरुआ नदी में जा गिरे। शेष डिब्बे ट्रैक के आसपास बिखर गए, जिससे पूरा रेलखंड अवरुद्ध हो गया प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे से करीब 30 मिनट पहले इसी ट्रैक से पूर्वांचल एक्सप्रेस गुजरी थी। यह ट्रेन गोरखपुर से कोलकाता जा रही थी। इसके बाद मालगाड़ी के डिरेल होते ही जोरदार आवाज के साथ अफरा-तफरी मच गई।

गनीमत रही कि घटना के समय पुल पर कोई यात्री ट्रेन नहीं थी, जिससे बड़ा जान-माल का नुकसान टल गया। हादसे के बाद जसीडीह-किऊल रेलखंड पर रेल परिचालन पूरी तरह ठप हो गया। अप और डाउन दोनों लाइनें पिछले 13 घंटे से अधिक समय से प्रभावित हैं। इस रूट से गुजरने वाली कई यात्री और मालगाड़ियां जसीडीह, सिमुलतला सहित आसपास के स्टेशनों पर रोक दी गई। पटना से हावड़ा जाने वाला प्रमुख रेल रूट भी बाधित हो गया है, जिसका असर हावड़ा-पटना और हावड़ा-मुजफ्फरपुर रेल लाइन पर साफ देखा गया।

रेलवे ने सुरक्षा और परिचालन कारणों से कई ट्रेनों को रद्द और डायवर्ट किया है। मुजफ्फरपुर से हावड़ा जाने वाली 13020 बाघ एक्सप्रेस को 16 स्टेशनों पर कैंसिल कर दिया गया है, जबकि इस ट्रेन को बरौनी से ही डायवर्ट किया गया।

महबूबा मुफ्ती, रुहुल्ला मेहदी समेत कई नेता नजरबंद

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में मौजूदा आरक्षण नीति के खिलाफ छात्रों के विरोध प्रदर्शन में शामिल होने से रोकने के लिए अधिकारियों ने रविवार को पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती और नेशनल कॉन्फ्रेंस के सांसद आगा सैयद रूहुल्ला मेहदी सहित कई नेताओं को घर में नजरबंद कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि महबूबा मुफ्ती उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती श्रीनगर के सांसद रूहुल्लाह मेहदी, पीडीपी नेता वहीद पारा और श्रीनगर के पूर्व मेयर जुनैद मट्टू को नजरबंद कर दिया गया है। यह कदम इन नेताओं द्वारा उन छात्रों के साथ एकजुटता व्यक्त करने के बाद आया जिन्होंने रविवार को गुपकर रोड पर प्रदर्शन पर बैठने की योजना बनाई थी और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा इस मुद्दे को संबोधित करने के लिए एक समिति गठित करने के एक साल बाद, कोटा नीति को तर्कसंगत बनाने में देरी के खिलाफ आंदोलन में शामिल होने के अपने इरादे की घोषणा की थी।

घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए पारा ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि नेताओं को प्रदर्शनकारी छात्रों के साथ एकजुटता दिखाने से रोकने के लिए घर में नजरबंद कर दिया गया है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के सांसद रूहुल्लाह मेहदी ने शनिवार रात एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि उनके आवास के बाहर सशस्त्र पुलिस तैनात की गई है। क्या यह शांतिपूर्ण, छात्र-समर्थक प्रदर्शन को चुप कराने के लिए की गई कार्रवाई है ।

दूसरी ओर पारा ने जम्मू-कश्मीर में उमर अब्दुल्ला सरकार पर आरक्षण मुद्दे को हल करने के लिए शून्य इरादा दिखाने का आरोप लगाया और कहा कि मौजूदा कोटा नीति अस्तित्व का मामला बन गई है।शनिवार रात एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि आरक्षण नीति एक अस्तित्वगत मुद्दा बन गई है जो हमारी युवा पीढ़ियों के भविष्य की नींव पर हमला करती है। एक साल से अधिक समय हो गया है जब हम छात्रों के साथ सीएम उमर अब्दुल्ला के आवास के बाहर इकट्ठे हुए थे। पारा ने एक्स पोस्ट में कहा कि दुर्भाग्य से इस पूरी अवधि के दौरान इस मुद्दे को हल करने के प्रति सरकार की ओर से बिल्कुल शून्य इरादा रहा है, जिसने हमारे युवाओं पर अनिश्चितता और चिंता को बढ़ा दिया है। पुलवामा विधायक ने कहा कि कम से कम आरक्षण रिपोर्ट को सार्वजनिक डोमेन में रखा जाना चाहिए। पारा ने कहा कि उमर अब्दुल्ला द्वारा गठित कैबिनेट उप-समिति की रिपोर्ट को रोकने का कोई औचित्य नहीं था भले ही सिफारिशें अभी भी उपराज्यपाल की मंजूरी के लिए लंबित थीं।

निजी सुरक्षा गार्ड से मारपीट के आरोप, हुमायूं कबीर का बेटा हिरासत में

मुर्शिदाबाद ।मुर्शिदाबाद के शक्तिपुर में जनाता उन्नयन पार्टी के चेयरमैन और विधायक हुमायूं कबीर के निजी सुरक्षा गार्ड के साथ मारपीट के आरोप में उनके बेटे को पुलिस ने हिरासत में लिया है। सुरक्षा गार्ड ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, हुमायूं कबीर की निजी सुरक्षा में तैनात कांस्टेबल जुम्मा खान ने कुछ दिनों की छुट्टी के लिए आवेदन किया था। आरोप है कि इसी बात को लेकर हुमायूं कबीर के बेटे गुलाम नबी आज़ाद उर्फ सहेल ने उनके साथ मारपीट की। रविवार सुबह जुम्मा खान ने शक्तिपुर थाने में इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच के लिए हुमायूं कबीर के शक्तिपुर स्थित आवास पर पहुंची और विधायक पुत्र गुलाम नबी आज़ाद को हिरासत में ले लिया।

हालांकि, जनता उन्नयन पार्टी के चेयरमैन हुमायूं कबीर ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उन्होंने उल्टा सुरक्षा गार्ड पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाया है। हुमायूं कबीर का दावा है कि उनके बेटे ने किसी के साथ मारपीट नहीं की, बल्कि सुरक्षा गार्ड को केवल घर से बाहर निकाल दिया गया। हुमायूं कबीर ने कहा कि सुरक्षा गार्ड बिना अनुमति मेरे ऑफिस रूम में घुसा और मुझसे बदसलूकी करने लगा। वह मुझे मारने की कोशिश कर रहा था। ऐसे में मेरे बेटे ने उसे बाहर निकाल दिया। इसमें मारपीट जैसी कोई बात नहीं है। पुलिस चाहे तो निष्पक्ष जांच करे। मैं गुरुवार को लौटकर पूरे मामले पर जवाब मांगूंगा। बिना किसी नोटिस के पुलिस मेरे घर क्यों आई, इसका भी जवाब चाहिए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि संबंधित सुरक्षा गार्ड के खिलाफ पहले भी असहयोग की शिकायत की गई थी।

हुमायूं कबीर के अनुसार, उन्होंने बहरमपुर के आईसी से सुरक्षा गार्ड को बदलने की मांग की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने दावा किया कि पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज मौजूद है, जिसे जरूरत पड़ने पर दिखाया जाएगा। इस बीच, हुमायूं कबीर ने मुर्शिदाबाद के एसपी कार्यालय का घेराव करने की चेतावनी भी दी है। पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की जांच की जा रही है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर कार्रवाई की जाएगी।

विवाह स्थल पर गुरू ग्रंथ साहिब ले जाने पर रोक

चंडीगढ़। अकाल तख्त साहिब पर रविवार को पांच सिंह साहिबानों की संयुक्त बैठक में गुरु ग्रंथ साहिब की सवारी को शादी वाले स्थान पर लेकर जाने की रोक लगा दी गई है। सिंह साहिबानों की बैठक के बाद अकाल तख्त साहिब के कार्यकारी जत्थेदारी कुलदीप सिंह गड़गज ने रविवार को बताया कि सिख धर्म में अब आनंद कारज केवल गुरुद्वारों में ही होगा। पार्कों, होटलों और अन्य खुले या व्यवसायिक स्थानों पर आनंद कारज की पूर्णत- मनाही होगी। गुरु ग्रंथ साहिब जी के पावन स्वरूप को किसी भी विवाह स्थल पर ले जाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया

गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उल्लंघन की स्थिति में पावन स्वरूप प्रदान करने वाले व्यक्ति, आनंद कारज करवाने वाले रागी जत्थे और संबंधित स्थानों के मालिकों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। विशेष तौर पर चंडीगढ़ और आसपास के इलाकों में सामने आ रहे ऐसे मामलों पर भी बैठक में चिंता व्यक्त की गई। सभी ग्रंथी सिंह, रागी जत्थे, प्रबंधक एवं सेवादार इन आदेशों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करें। बैठक में मौजूद तख्त श्री दमदमा साहिब के जत्थेदार सिंह साहिब ज्ञानी टेक सिंह, सचखंड श्री हरिमंदर साहिब के ग्रंथी सिंह साहिब ज्ञानी परविंदरपाल सिंह, सिंह साहिब ज्ञानी केवल सिंह तथा तख्त श्री केसगढ़ साहिब के मुख्य ग्रंथी सिंह साहिब ज्ञानी जुगिंदर सिंह ने एकमत से इन फैसलों पर सहमति जताई और सिख समुदाय से इनके पालन की अपील की। बैठक में एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) आधारित वीडियो और आर्टिफिशियल फिल्मों के निर्माण के विषय पर सभी ने अपने विचार रखे। जत्थेदार ने कहा कि तकनीक भले ही आधुनिक हो, लेकिन बैठक में यह निर्णय लिया गया है कि धार्मिक विषयों पर इस प्रकार की एआई या कृत्रिम फिल्में नहीं बनाई जा सकती, क्योंकि इससे सिख मर्यादाओं और परंपराओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। एसजीपीसी की अनुमति के बिना सिख इतिहास से संबंधित कोई भी फिल्म नहीं बनाई जा सकती। इस फैसले की प्रतियां देश के प्रमुख फिल्म निर्माताओं को भेजी जाएंगी। जत्थेदार कुलदीप सिंह गड़गज ने बताया कि यह महसूस किया गया कि आधुनिक तकनीक के युग में यह विषय अत्यंत संवेदनशील है और इसके लिए स्पष्ट नीति आवश्यक है।

अकाल तख्त का महत्वपूर्ण फैसला

बात पते की ... श्याम जगोता

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि, नैनं दहति पावकः।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो, न शोषयति मारुतः।।

वाजपेयी परिवार में शोक

जन्म : 11.07.1954

स्वर्गवास: 28.12.2025

अत्यंत दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है की हमारी पूजनीया

ममता वाजपेयी

(धर्मपत्नी स्व: श्री राजेंद्र नारायण वाजपेयी)

का स्वर्गवास **रविवार** दिनांक **28.12.2025** को हो गया है।

अंतिम यात्रा उनके निवास स्थान 5A, सोपान अपार्टमेंट 63बी ब्राइट स्ट्रीट, कोलकाता-700019 से दिनांक **29.12.2025 सुबह 10:30 बजे केवड़ातल्ला घाट के लिए प्रस्थान करेगी**

शोकाकुल

समस्त वाजपेयी परिवार

नदी से साधु का निर्वस्त्र शव बरामद, इलाके में सनसनी

अलीपुरद्वार। अलीपुरद्वार जिले के शामुकतला इलाके में एक साधु की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत को लेकर सनसनी फैल गई है। शामुकतला थाना अंतर्गत लालपुर श्मशान घाट स्थित काली मंदिर में रहने वाले साधु का निर्वस्त्र शव श्मशान घाट से लगभग एक किलोमीटर दूर मियापाड़ा के पास धारसी नदी से बरामद किया गया। मृत साधु की पहचान महेंद्र सूत्रधर के रूप में हुई है।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, वह करीब छह से सात महीने पहले तूफानगंज से लालपुर श्मशान घाट स्थित काली मंदिर आए थे। मंदिर परिसर के पास बने एक कमरे में वह अकेले रहते थे। घटना की जानकारी मिलने के बाद जब लोग साधु के कमरे में पहुंचे, तो वहां का नजारा चौंकाने वाला था।

बताया जा रहा है कि उनका कमरा पूरी तरह अस्त-व्यस्त पड़ा था। दो कमरों के दरवाजे अंदर से बंद थे, जबकि एक खिड़की खुली हुई मिली। इस बीच, मियापाड़ा इलाके से होकर बहने वाली धारसी नदी में स्थानीय लोगों ने एक निर्वस्त्र शव देखा, जिसकी पहचान बाद में साधु महेंद्र सूत्रधर के रूप में हुई। रविवार सुबह करीब 8:30 बजे शव को नदी में देखा गया, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत शामुकतला थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नदी से निकालकर शामुकतला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने साधु को एक दिन पहले भी इलाके में देखा था। एक व्यक्ति ने दावा किया कि साधु ने शुक्रवार रात उसके घर भोजन भी किया था। इन परिस्थितियों को देखते हुए स्थानीय लोग इसे सामान्य मौत मानने को तैयार नहीं हैं और हत्या की आशंका जता रहे हैं। लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

खड़े ट्रक से टकराई बाइक और स्कूटी, दो की मौत

सिलीगुड़ी। नक्सलबाड़ी के सातभैया मोड़ पर खड़े एक ट्रक के साथ बाइक और स्कूटी के टकराने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। घटना शनिवार देर रात की है। जानकारी के अनुसार, रथखोला से टुकुरिया डिवीजन की ओर बाइक और स्कूटी पर सवार होकर चार युवक लौट रहे थे। सातभैया मोड़ के पास अचानक नियंत्रण खोने के बाद दोनों वाहन सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से जा टकराए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि सभी दोपहिया सवार सड़क पर गिर पड़े। हादसे में बाइक चालक अभिषेक उरांव की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि घायलों को नक्सलबाड़ी ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद दो घायलों को उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज व अस्पताल रेफर किया गया। इनमें से एक को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई, जबकि इलाज के दौरान रोशन उरांव की मौत हो गई। घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर नक्सलबाड़ी थाने की पुलिस और ट्रैफिक पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

चलती मालवाहक लॉरी में भयावह आग

जलपाईगुड़ी। जिले में एक चलती मालवाहक लॉरी में भीषण आग लगने की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना रविवार तड़के जलपाईगुड़ी के राष्ट्रीय राजमार्ग-31 पर गोशाला मोड़ और पहाड़पुर मोड़ के बीच महुतपाड़ा जोड़ा कलवर्ट इलाके में हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सड़क पर चलते समय अचानक लॉरी में तेज धमाके के साथ आग भड़क उठी। आग की ऊंची लपटें और जोरदार आवाज सुनकर स्थानीय लोग घबराकर मौके पर पहुंचे। पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही ट्रैफिक पुलिस मौके पर पहुंची और राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात नियंत्रित किया गया। दूसरी तरफ दमकल विभाग को सूचना दी गई। सूचना पाकर दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

आग की चपेट में आकर लॉरी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इस घटना में लॉरी चालक और खलासी घायल हो गए, जिन्हें जलपाईगुड़ी मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मालवाहक लॉरी बिहार से गुवाहाटी की ओर जा रही थी। आग लगने के कारणों का अब तक पता नहीं चल सका है। जलपाईगुड़ी थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

सिलीगुड़ी के ज्वेलरी शोरूम में दुस्साहसिक चोरी

सिलीगुड़ी। सिलीगुड़ी के व्यस्त हिल कार्ट रोड इलाके में सोने की दुकान में चोरी की घटना से हड़कंप मच गया है। शहर के प्रमुख मार्ग पर स्थित बीपीएस ज्वेलर्स में देर रात चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया है। रविवार सुबह दुकान खुलते ही चोरी का पता चला, पुलिस को सूचना दी गई। दुकान मालिक के अनुसार, चोर लगभग 30 किलो चांदी और 100 से 200 ग्राम सोना लेकर फरार हो गए। हालांकि, दुकान के भीतर रखे लॉकर को काटने की कोशिश की गई, लेकिन उसमें रखे सोने तक चोर नहीं पहुंच सके। लॉकर नहीं काट पाने के कारण दुकान को बड़ी क्षति से बचा लिया गया। चोरों ने चोरी के दौरान दुकान में लगे सभी सीसीटीवी कैमरों को काट दिया और डीवीआर बॉक्स भी अपने साथ ले गए। हालांकि, एक मेमोरी वाला कैमरा मौजूद था, जिससे कुछ अहम सुराग मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। प्रारंभिक जांच में अनुमान लगाया जा रहा है कि चोर पिछले कई दिनों से दुकान की पिछली दीवार को धीरे-धीरे काट रहे थे और फिर सुनियोजित तरीके से देर रात इस बड़ी चोरी को अंजाम दिया। दुकान के शटर और अंदरूनी हिस्सों में तोड़फोड़ के स्पष्ट निशान मिले हैं।

पुलिस का मानना है कि चोरी में विशेष उपकरणों का इस्तेमाल किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही सिलीगुड़ी थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है और आरोपितों को जल्द गिरफ्तार करने का प्रयास किया जा रहा है।

साथ ही शहर की प्रमुख ज्वेलरी दुकानों की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने पर भी ध्यान दिया जा रहा है।

सुप्रभात

29 दिसम्बर 2025, सोमवार, वर्ष मन्मथ (2082) पौष, शु.प. नवमी सूर्योदय 06:17 ,सूर्यास्त 17. 23

आज का राशिफल

मेष खानपान का ध्यान रखना होगा। रात्रि का समय प्रियजनों के दर्शन हास्य परिहास में व्यतीत होगा।

वृषभ दिन पारिवारिक जनों के साथ सुखद बीतेगा। भाग्यवश दोपहर तक शुभ समाचार भी मिलेगा।

मिथुन कुलदेवी की कृपा से बहुमूल्य वस्तु अथवा संपत्ति की प्राप्ति की अभिलाषा आज पूरी होगी।

कर्क आज अकस्मात बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति करा कर कोष की स्थिति को सुदृढ़ करेगा।

सिंह आपको दूसरों की मदद करने से सुकून मिलता है इसलिए आज का दिन परोपकार में व्यतीत होगा।

कन्या आज धार्मिक कार्यों में अग्रसर रहेंगे। किसी धार्मिक क्षेत्र की यात्रा भी हो सकती है।

तुला आज शिक्षा व प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि का योग है।

वृश्चिक आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत होकर, धन सम्मान यश कीर्ति की वृद्धि होगी।

धनु आज घर के लिए उपयोगी वस्तुओं पर धन का खर्चा होगा। सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी।

मकर आज व्यावसायिक क्षेत्र में मन के अनुकूल लाभ होने का हर्ष होगा।

कुंभ आज भ्राता को अकस्मात् शरीर कष्ट होने से भागदौड़ व अधिक खर्चे की स्थिति आ सकती है।

मीन वैवाहिक जीवन आनन्द दायक बीतेगा। आज पास व दूर की लाभदायक यात्रा भी हो सकती है।

प्राकृतिक चिकित्सा शिविर के माध्यम से प्रकृति की ओर लौटने का संदेश

समर्पण ट्रस्ट की सराहनीय पहल

कोलकाता, नि.सं। समाज में जन-जागरूकता के उद्देश्य से निरंतर सक्रिय समर्पण ट्रस्ट द्वारा कोलकाता को साल्टलेक में आयोजित दो दिवसीय प्राकृतिक चिकित्सीय स्वास्थ्य परीक्षण शिविर अत्यंत सफल एवं प्रभावशाली रूप में संपन्न हुआ। यह शिविर जनहित की भावना से प्रेरित एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य-संबंधी पहल रहा, जिसमें प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से नागरिकों को तन, मन एवं आत्मा के संतुलन हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया गया। शिविर का विधिवत उद्घाटन सुप्रसिद्ध आयुर्वेदाचार्य, नाड़ी विशेषज्ञ एवं कायचिकित्सा विशेषज्ञ तथा मानद चिकित्सक – माननीय राज्यपाल, पश्चिम बंगाल डॉ. पीयूष द्विवेदी ने किया। कार्यक्रम में अरुण भुवालका प्रधान अतिथि, महावीर बंका मुख्य अतिथि, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल एवं अक्षय बींजराजका जी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉ. लक्ष्मण पल्हे, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, कोनिजेती रोसैया गवर्नमेंट नेचर क्योर हॉस्पिटल, हैदराबाद अपनी विशेषज्ञ टीम के साथ उपस्थित रहे। उनके मार्गदर्शन में दो दिवसीय शिविर के दौरान पूर्ति समूह के निदेशकद्वय सपत्नीक किशोर पंसारी व महेश पंसारी, हंसराज बामलवा सपत्नीक, कम्फर्ट लेडी के मनोज गुप्ता सपत्नीक, बिजनेसमैन आशु सिंह, श्याम लाल अग्रवाल समेत 72 नागरिकों का प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति से स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श किया गया। इस अवसर पर डा. पल्हे ने कहा कि आज की भाग दौड़ भरी जीवनशैली में आदमी यदि प्रकृति के अनुरूप जीवन का अनुसरण करे तो उसे कोई समस्या नहीं होगी।

करंट लगने से माध्यमिक छात्र

जलपाईगुड़ी। बेलाकोबा में एक बेहद दर्दनाक घटना रविवार को सामने आई है। मजदूरी करने कर्सियांग गए जयदेव राय प्रधान (15) की काम के दौरान करंट लगने से मौत हो गई है। जयदेव बेलाकोबा हाई स्कूल का छात्र था और आगामी दो फरवरी से शुरू होने वाली माध्यमिक परीक्षा 2026 में बैठने वाला था, लेकिन उसकी यह इच्छा अधूरी ही रह गई। मिली जानकारी के अनुसार, कर्सियांग में काम के दौरान एक हाई वोल्टेज बिजली का तार टूटकर जयदेव के शरीर पर गिर पड़ा, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया। इस हादसे में तीन लोग घायल हुए, जिनमें से जयदेव की मौत हो गई। कर्सियांग थाने के आईसी पलाश महंत ने बताया कि पूरे मामले की जांच की जा रही है। शनिवार शाम को जयदेव का शव उसके पैतृक घर बेलाकोबा के धुमभिटा इलाके में लाया गया। बेटे की मौत से किसान पिता राजेंद्रनाथ राय प्रधान, मां, बहन और परिवार के अन्य सदस्य पूरी तरह टूट गए है।

परिवार वालों के अनुसार,

हावड़ा-प्रयागराज, रामबाग-हावड़ा विभूति एक्सप्रेस में लगे एलएचबी कोच

कोलकाता । पूर्वी रेलवे ने ट्रेन संख्या 12333/12334 हावड़ा-प्रयागराज रामबाग-हावड़ा विभूति एक्सप्रेस को 27.12.2025 (हावड़ा से) से पारंपरिक आईसीएफ कोचों से आधुनिक एलएचबी कोचों में परिवर्तित कर दिया गया है। एलएचबी कोचों की शुरुआत यात्रियों की सुरक्षा और यात्रा के आराम में महत्वपूर्ण सुधार का प्रतीक है। ये कोच उन्नत सुरक्षा सुविधाओं, बेहतर सस्पेंशन सिस्टम और आधुनिक डिजाइन मानकों से सुसज्जित हैं, जो सुगम और अधिक आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करते हैं। 160 किमी प्रति घंटे तक की गति से चलने के लिए डिज़ाइन किए गए, एलएचबी कोच अधिक यात्री क्षमता और बेहतर परिचालन दक्षता भी प्रदान करते हैं। यात्रियों की सुविधा को और बेहतर बनाने के लिए, पूरी यात्रा के दौरान स्वच्छता बनाए रखने के लिए ट्रेन में ऑन बोर्ड हाउसकीपिंग सर्विसेज (ओबीएचएस) की व्यवस्था की गई है। अतिरिक्त आराम के लिए वातानुकूलित कोचों में उच्च गुणवत्ता वाले लिनेन की सुविधा सुनिश्चित की जाती है। इसके अलावा, एलएचबी कोचों में इलेक्ट्रो-न्यूमेटिक प्रेशराइज्ड फ्लशिंग सिस्टम से लैस बायो-टॉयलेट लगाए गए हैं, जो बेहतर स्वच्छता और पर्यावरण के अनुकूल अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा देते हैं।

लाहाबोन व सिमुलतला के बीच पटरी में अवरोध ट्रेन संचालन बाधित

कोलकाता । गत 27 दिसम्बर को लगभग 23:30 बजे जासिडीह-झाझा खंड में लाहाबोन और सिमुलतला के बीच पटरी में अवरोध के कारण इस खंड में ट्रेनों का संचालन प्रभावित हुआ है। लगभग 23:30 बजे जासिडीह-झाझा खंड में लाहाबोन और सिमुलतला के बीच पटरी में अवरोध के कारण इस खंड में ट्रेनों का संचालन प्रभावित हुआ है। परिणामस्वरूप, जसीडीह-झाझा सेक्शन से होकर चलने वाली अप और डाउन लंबी दूरी की ट्रेनों को निम्नानुसार विनियमित किया जा रहा है:- ट्रेनों को रद्द करना (28.12.2025 को शुरू होने वाली यात्रा):- * 12369 हावड़ा-देहरादून कुंभ एक्सप्रेस, * 13105 सियालदह-बलिया एक्सप्रेस, * 13030 मोकामा-हावड़ा एक्सप्रेस, * 63571 जसीडीह-मोकामा मेमू, * 63574 किऊल-जसीडीह मेमू, * 63297 देवघर-झाझा मेमू, * 63298 झाझा-देवघर मेमू, * 63572 मोकामा-जसीडीह मेमू, * 63566 झाझा-जसीडीह मेमू, * 63153 जसीडीह-बैद्यनाथ धाम मेमू, * 63154 बैद्यनाथ धाम-जसीडीह मेमू, * 63209 झाझा-पटना मेमू, * 63565 जसीडीह-झाझा मेमू, * 63573 जसीडीह-किऊल मेमू।

जारी की गयी हेल्पलाइन

आसनसोल/कोलकाता । गत 27 दिसम्बर को लगभग 23:30 बजे जासिडीह-झाझा खंड में लाहाबोन और सिमुलतला के बीच पटरी में अवरोध के कारण इस खंड में ट्रेनों का संचालन प्रभावित हुआ है। परिणामस्वरूप, जासिडीह-झाझा खंड से होकर जाने वाली अप और डाउन लंबी दूरी की ट्रेनों को वैकल्पिक मार्ग से चलाया जा रहा है या उन्हें नियंत्रित किया जा रहा है। युद्धस्तर पर बहाली कार्य शुरू कर दिया गया है। सभी वरिष्ठ अधिकारी यथाशीघ्र सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए मौके पर मौजूद हैं। हालाँकि, निम्नलिखित हेल्पलाइन नंबर खोले गए हैं:-1) आसनसोल पूछताछ हेल्पलाइन नंबर:- 8250423803, 2) लाहाबोन हेल्पलाइन नंबर:- द्वद्वद्व) सिमुलतला हेल्पलाइन नंबर:- 90462 39257, 3) सिमुलतला हेल्पलाइन नंबर:- 90462 39218, 4) जसदीह हेल्पलाइन नंबर:- 7654517819, 5) मधुपुर पूछताछ हेल्पलाइन नंबर:- 9332062170।

वर्ग पहेली 5957

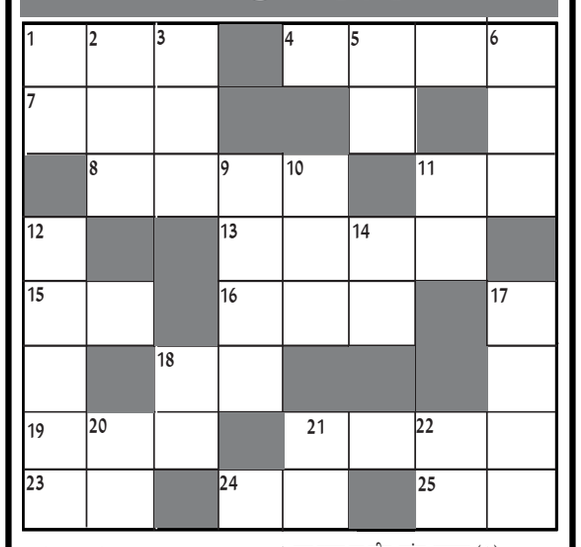

संकेत: बाएं से दाएं

1. 4 मई 1979 को श्रीमती मार्गरैट थैचर इस देश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनी (3)
4. महाकवि कालीदास की सप्रसिद्ध कृति (4)
7. जल से उत्पन्न (3)
8. अभ्यास पुस्तिका को अंग्रेजी में यह कहते है (4)
11. पंचतत्वों में से एक, आकाश, गगन (2)
13. शाखायुक्त, टहनीदार (4)
15. उत्तम, विशुद्ध, सदाशय (2)
16. बयाना, अग्रिम देय (3)
18. हानिकर या नाशक जीव या कीटाणु, चिपकाने की क्रिया (2)
19. जुड़वा, अश्विी कुमार (2)
21. दिशा में, पहलू (4)
23. हुनर, फन (2)
24. धर्मच्युत, पतित (2)
25. अधिकार, इख्तिहार (2)

ऊपर से नीचे

1. पुल को अंग्रेजी में यह कहते है (2)
2. दर्जी, वेशकार, सूचिक (3)
3. अरब का प्रसिद्ध नगर जहां हजरत अली कीमजार है (3)
5. अन्न, लकड़ी आदि में लगने एक प्रकार का छोटा कीड़ा (2)
6. एक प्रकार का कीट, पतंगा, परवाना (3)
9. यह हंगरी की राजधानी है और सबसे बड़ा नगर है (4)
10. कंगूरा, गुंबज, शिखर, घट (3)
11. पुरूष, मर्द (2)
12. जिसमें दाग या धब्बा लगा हो (2)
17. 4 मई 1902 को केसी रेड्डी का जन्म दिवस है जो इस प्रांत के प्रथम मुख्यमंत्री और मध्यप्रदेश के भूतपूर्व राज्यपाल थे (4)
18. पृष्ठ, पन्ना (2)
20. मुझे (मराठी)(2)
21. तकलीफ, दर्द (2)
22. एक शब्द जिसके द्वारा वक्ता और श्रोता के अतिरिक्त किसी तीसरे मनुष्य का संकेत किया जाता है (2)

वर्ग पहेली 5956 का हल

इ	ज	रा	इ	ल	■	वि	श्व
रा	ज	न	■	व	की	ल	■
व	■	■	■	इ	ना	य	त
ती	ज	■	■	न	■	न	ल
■	न	■	आ	शि	क	■	वा
■	वा	दा	■	म	श	हू	र
मौ	सा	■	बा	ला	■	र	■
का	■	का	जू	■	हां	■	■

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5957

2	3				7			1
1	8		5	3		4		
	4	6						
	5				8			2
	6			2			9	
9			3					
						8	2	
		3		5	9		4	7
5			7				3	9

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5956

6	4	7	1	9	3	2	8	5
9	5	2	6	8	7	1	4	3
3	1	8	2	4	5	9	6	7
4	3	6	5	2	9	7	1	8
5	8	9	7	1	6	3	2	4
2	7	1	4	3	8	5	9	6
8	2	5	3	6	1	4	7	9
7	9	4	8	5	2	6	3	1
1	6	3	9	7	4	8	5	2

छोटा परदा

सोमवार, दिनांक 29 दिसंबर-2025

&tv 10:30 भाभी जी घर पर है, 11:00 भाभी जी घर पर है, 12:00 भाभी जी घर पर है, 1:00 भाभी जी घर पर है,

2:00 भाभी जी घर पर है, 4:00 लाल इश्क, 5:00 लाल इश्क, 6:00 दृश्यम-एक चक्रव्यूह, 7:00 परमअवतार श्रीकृष्णा, 8:00 अटल, 8:30 एक महानायक, 9:00 संतोषी मां, 10:00 हप्पू सिंह की उल्टन पल्टन, 10:30 भाभी जी घर पर है, 11:00 भाभी जी घर पर है

➤➤➤

SONY MAX 12:30 बेस्ट ऑफ क्राईम पेट्रोल, 1:30 बेस्ट ऑफ क्राईम पेट्रोल, 2:00 बेस्ट ऑफ क्राईम पेट्रोल, 3:30 बेस्ट ऑफ क्राईम पेट्रोल, 4:00 बेस्ट ऑफ क्राईम पेट्रोल, 4:30 बेस्ट ऑफ क्राईम पेट्रोल, 5:00 बेस्ट ऑफ क्राईम पेट्रोल, 5:30 बेस्ट ऑफ क्राईम पेट्रोल, 6:00 बेस्ट ऑफ क्राईम पेट्रोल, 7:00 श्रीमद रामायण, 8:00 दबंगी, 8:30 कुछ

रीत जगत की ऐसी है, 9:00 श्रीमद रामायण, 11:00 बेस्ट ऑफ क्राईम पेट्रोल

➤➤➤

ZEE TV 11:00 कुंडली भाग्य, 12:00 कैसे मुझे तुम मिल गए, 12:30 कुमकुम भाग्य, 2:00 कैसे मुझे तुम मिल गए, 3:00 शिव शक्ति,

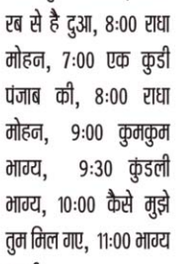

4:00 एक कुडी पंजाब की, 5:00 कुंडली भाग्य, 6:00 रब से है दुआ, 8:00 राधा मोहन, 7:00 एक कुडी पंजाब की, 8:00 राधा मोहन, 9:00 कुमकुम भाग्य, 9:30 कुंडली भाग्य, 10:00 कैसे मुझे तुम मिल गए, 11:00 भाग्य लक्ष्मी

➤➤➤

colors HD 11:00 शिव शक्ति, 12:00 मेरा बालम थानेदार, 12:30 परिणीति, 1:00 थपकी प्यार की, 2:30 बालिका वधू, 6:00 मंगल लक्ष्मी, 6:30 सुहागन, 7:00 उडाईयां, 7:30 परिणीति, 8:00 शिव शक्ति, 8:30 डोरी, 9:00 मंगल लक्ष्मी,9:30 मेरा बालम

थानेदार, 10:00 प्रचंड अशोक, 11 00 डोरी

➤➤➤

SONY SAB 11:00 तारक मेहता का उल्टा चश्मा, 11:30 वागले की दुनिया, 12:00 वंशज, 1:00 ध्रुव तारा, 1:30 आंगन, 2:00 तारक मेहता का उल्टा चश्मा, 3:00 तारक मेहता का उल्टा चश्मा, 4:00 तारक मेहता का उल्टा चश्मा, 5:00 तारक मेहता का उल्टा चश्मा, 6:00 तारक मेहता का उल्टा चश्मा, 7:00 वंशज, 7:30 आंगन, 8:00

ध्रुव तारा, 8:00 ध्रुव तारा, 8:30 तारक मेहता का उल्टा चश्मा, 9:00 वागले की दुनिया, 10:00 वंशज, 11:00 तारक मेहता का उल्टा चश्मा

➤➤➤

NATIONAL 11:00 अवंतिका, 11:30 पलटन, 12:00 रामायण, 12:30

सौतेला, 1:00 मूवी, 4:00 पिम्मी बैंक, 4:30 गली-गली सिम-सिम, 5:00 जस्ट जूनियर, 6:00 रामायण, 7:00 चित्रहार, 7:30 जहां चांद रहता है, 8:00 जय भारती, 8:30 जानकी, 9:00 अवंतिका, 9:30 पलटन, 10:30 हर घर जल हर गॉव स्वच्छता, 11:00 सौतेला

➤➤➤

ZEE CINEMA 8:00 हिंदी फीचर फिल्म, 11:00 हिंदी फीचर फिल्म, 2:00 हिंदी फीचर फिल्म, 5:00 हिंदी फीचर फिल्म, 8:00 हिंदी फीचर फिल्म, 11:00 हिंदी फीचर फिल्म

➤➤➤

MOVIES OK 8:00 हिंदी फिचर फिल्म, 11:00 हिंदी फीचर फिल्म, 2:00 हिंदी फीचर फिल्म, 5:00 हिंदी फीचर फिल्म, 8:00 हिंदी फीचर फिल्म, 11:00 हिंदी फीचर फिल्म

कैनिंग थाना परिसर से महिला होम गार्ड का शव बरामद

सब-इंस्पेक्टर पर हत्या का आरोप

दक्षिण 24 परगना। दक्षिण 24 परगना के कैनिंग पुलिस क्वार्टर से एक महिला होम गार्ड का शव बरामद किया गया। मृत होम गार्ड की पहचान गुलज़ान परवीन मोल्ला उर्फ रेशमी (22) के रूप में हुई है। मृत होम गार्ड के परिवार ने कैनिंग थाने के एक सब-इंस्पेक्टर पर हत्या का गंभीर आरोप लगाया है। जानकारी के अनुसार, गुलज़ान परवीन मोल्ला जीवनतला थाना अंतर्गत के उत्तर मौखाली इलाके की रहने वाली थीं और कैनिंग थाने में होम गार्ड के तौर पर कार्यरत थीं। वह शुक्रवार को ड्यूटी के बाद कैनिंग पुलिस स्टेशन के पीछे वाले क्वार्टर में चली गई थीं। उनको बार-बार कॉल करने के बाद भी किसी ने फोन नहीं उठाया। शनिवार को भी पूरे दिन उनसे संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। इसके बाद परिवार के लोग परेशान होकर कैनिंग पुलिस स्टेशन पहुंचे। बहन रुखसाना खातून सीधे क्वार्टर में गईं। जैसे ही दरवाजा खोला गया, रेशमी की बॉडी गले में घूंघट डाले छत से लटकी हुई दिखी। सूचना मिलने पर कैनिंग थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए

भेजने की व्यवस्था की। पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

परिवार ने बताया कि गुलज़ान के पिता रशीद मोल्ला की दो साल पहले पंचायत चुनाव के दौरान भांगड़ में हत्या कर दी गई थी। इसके बाद परिवार की बड़ी बेटी गुलज़ान को होम गार्ड की नौकरी मिली थी। बेटी की इस तरह मौत से परिवार में मातम छाया हुआ है। गुलजान के परिजनों ने कैनिंग थाने के सब-इंस्पेक्टर सायन भट्टाचार्य के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई है। परिवार का आरोप है कि गुलज़ान और सायन भट्टाचार्य के बीच विवाहेतर संबंध थे और इस बात के सामने आने के बाद उसकी हत्या कर दी गई। हालांकि पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर निष्पक्ष जांच की जा रही है। फिलहाल, घटना को लेकर इलाके में तनाव बना हुआ है और पुलिस पूरे मामले की गहन जांच में जुटी हुई है।

दुर्गांगन शिलान्यास : शुभेंदु ने ममता पर साधा निशाना

कोलकाता । भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर गंभीर आरोप लगाते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट किया है। अपने पोस्ट में शुभेंदु अधिकारी ने न्यूटाउन में प्रस्तावित 'दुर्गांगन' परियोजना के शिलान्यास को लेकर राज्य सरकार की मंशा और निर्णय प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। शुभेंदु अधिकारी ने लिखा कि पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को 29 दिसंबर को न्यूटाउन में 'दुर्गांगन' का शिलान्यास करने जाना था। इसके लिए पिछले दो महीनों से टेंडर जारी कर कथित तौर पर तृणमूल-समर्थित सिंडिकेट से जुड़े व्यापारियों को मिट्टी भराई का काम सौंपा गया। न्यूटाउन के विश्व बांग्ला सरणी स्थित वेस्ट-इन होटल के सामने, इको पार्क के पास स्वास्थ्य विभाग के अधीन एक निर्धारित स्थान पर शिलान्यास के लिए भव्य मंच भी तैयार किया गया था। हालांकि, शुभेंदु अधिकारी के अनुसार अचानक इस परियोजना को लेकर विवाद खड़ा हो गया। उन्होंने दावा किया कि जिस जमीन पर दुर्गांगन बनाने की योजना थी, उसके अधिग्रहण के समय कुछ मुस्लिम परिवारों का भी स्वामित्व था। कथित तौर पर उन परिवारों और स्थानीय मुस्लिम समुदाय ने आपत्ति जताई कि उनकी स्वामित्व वाली जमीन पर सरकारी खर्च से एक हिंदू धार्मिक स्थल क्यों बनाया जाएगा। शुभेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि इस आपत्ति के बाद मुख्यमंत्री असमंजस में पड़ गईं। उन्होंने लिखा कि एक ओर हिंदू भावनाओं को ध्यान में रखते हुए दुर्गांगन और महाकाल मंदिर जैसे प्रोजेक्ट्स की घोषणा की गई, वहीं दूसरी ओर मुस्लिम वोट बैंक को नाराज़ करने का जोखिम भी सामने आ गया। इसी कारण, कथित तौर पर आनन-फानन में दुर्गांगन के स्थान को बदलकर न्यूटाउन बस स्टैंड के पास तय किया गया, जबकि नया स्थान पहले औद्योगिक उपयोग के लिए चिह्नित था। अपनी पोस्ट में शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री पर धर्म को लेकर राजनीति करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि मां दुर्गा को राजनीति में घसीटने का यह प्रयास उल्टा पड़ सकता है और आने वाले दिनों में मुख्यमंत्री के लिए हालात बिगड़ सकते हैं। इस पूरे मामले पर खबर लिखे जाने तक राज्य सरकार की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी।

मेदिनीपुर में मन की बात, कार्यकर्ताओं में चुनावी उत्साह

मेदिनीपुर। आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी और संगठनात्मक सक्रियता के बीच रविवार मेदिनीपुर नगर मंडलङ्क्एक के अंतर्गत आठ नंबर वार्ड के 166 नंबर बूथ पर यशश्री के पहल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम ÷मन की बात÷ का आयोजन जोश, ऊर्जा और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में जिला भाजपा के सह-उपाध्यक्ष डॉ. शंकर गुछायत, पुलकेश चौधुरी, शक्ति केंद्र प्रमुख गणेश मल्लिक, कूहेली दत्त, अभिजीत विश्वास सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम स्थल पर आगामी चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह और संकल्प देखने को मिला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन को उपस्थित सभी लोगों ने एकाग्रता के साथ सुना। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में राष्ट्र निर्माण, सामाजिक चेतना, आत्मनिर्भर भारत और सशक्त लोकतंत्र पर बल दिया, जिससे कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ। इस अवसर पर जिला भाजपा के सह-उपाध्यक्ष डॉ. शंकर गुछायत ने कहा कि मन की बात केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आम जनमानस से सीधा संवाद है। आगामी बंगाल विधानसभा चुनाव में यही विचार, यही राष्ट्रवादी सोच और विकास का संदेश भाजपा को मजबूत बनाएगा। कार्यकर्ता बूथ स्तर तक सक्रिय रहकर इस संदेश को हर घर तक पहुंचाएंगे।

जस्टिस फॉर उदय की मांग,शव यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

खड़गपुर । रविवार सुबह खड़गपुर में उस समय अचानक हलचल मच गई, जब सोशल मीडिया पर ÷जस्टिस फॉर उदय÷ की मांग तेजी से वायरल होने लगी। देखते-देखते बड़ी संख्या में लोग मृतक के घर की ओर जुटने लगे। बाद में स्पष्ट हुआ कि तुलसी राव उर्फ उदय नामक युवक की मौत को लेकर शहर में आक्रोश फैल रहा है। राजनीतिक हस्तियों के पहुंचने के साथ ही भीड़ लगातार बढ़ती गई, जिससे खड़गपुर में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गईं। मृतक उदय (32) पश्चिम मेदिनीपुर जिला पुलिस की खुफिया शाखा (आईबी) में सिविक वॉलंटियर के रूप में कार्यरत थे। बताया गया कि 15 दिसंबर की देर रात वह अपने दो दोस्तों देवेंद्र और प्रकाश के साथ खड़गपुर रेलवे स्टेशन के समीप रात करीब एक बजे चाय पी रहे थे। इसी दौरान एक व्यक्ति द्वारा धक्का दिए जाने से विवाद शुरू हुआ, जो देखते ही देखते हाथापाई में बदल गया। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर बस स्टैंड के पास करीब 15 युवकों ने मिलकर उदय कुमार को अलग ले जाकर हमला किया। हमलावरों ने धारदार हथियारों से हमला किया और भारी पत्थर (बोल्डर) सिर पर भी वार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, उन्हीं आरोपितों में से कुछ लोग घायल अवस्था में उदय को खड़गपुर महकमा अस्पताल में भर्ती करा दिया, जहां उनके सिर में 20 से अधिक टांके लगाए गए। हालत नाजुक होने पर डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए कटक (ओडिशा) रेफर कर दिया। करीब 12 दिनों तक जिंदगी और मौत से संघर्ष करने के बाद शनिवार दोपहर कटक के एक अस्पताल में उदय कुमार ने दम तोड़ दिया। रविवार को उनका अंतिम संस्कार किया गया। मृतक उदय नीमपुरा इलाके में अपनी मां के साथ रहते थे, जबकि उनकी बड़ी बहन की शादी पहले ही हो चुकी है। मौत की खबर मिलते ही खड़गपुर में तनाव और आक्रोश का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों और उदय के दोस्तों का दावा है कि हमला टारगेट कर किया गया है और वे चाहते हैं दोषियों को कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए । हालांकि, इस संबंध में पुलिस की ओर से अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। वहीं तृणमूल कांग्रेस की ओर से पार्षद प्रदीप सरकार और देवाशीष चौधरी भी शव यात्रा में शामिल हुए। इस दौरान प्रदीप सरकार ने कहा कि ÷उदय बहुत ही अच्छा लड़का था और एक अच्छा क्रिकेटर भी था। उसकी मौत की खबर सुनकर बेहद दुख हुआ।÷ उदय कुमार की मौत के बाद उनके घर पर हजारों की संख्या में लोग जुटे। विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं की मौजूदगी के बीच पूरे खड़गपुर में शोक के साथ-साथ आक्रोश का माहौल देखा गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, इस मामले में संदिग्ध आरोपित शेख शरीफुद्दीन समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस का कहना है कि अन्य आरोपितों की तलाश जारी है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हुमायूं कबीर की पार्टी के साथ गठबंधन पर नहीं हुई वार्ता : नौशाद सिद्दीकी

कोलकाता । इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) के चेयरमैन नवसाद सिद्दीकी ने रविवार को साफ किया कि तृणमूल कांग्रेस के निलंबित नेता हुमायूं कबीर की नई बनी जनता उन्नयन पार्टी (जेयूपी) के साथ चुनावी गठबंधन को लेकर कोई बातचीत नहीं हुई है। यह कमेंट्स कबीर के उस बयान के एक दिन बाद आए हैं जिसमें उन्होंने कहा था कि वह आने वाले पश्चिम बंगाल असेंबली इलेक्शन के लिए आईएसएफ के साथ चुनावी गठबंधन करना चाहते हैं। वैसे, सिद्दीकी शनिवार को कोलकाता में माकपा हेडक्वार्टर गए और लेफ्ट फ्रंट के उन नेताओं से बातचीत की जो 2021 के राज्य विधानसभा चुनाव के दौरान आईएसएफ के साथ चुनावी गठबंधन में थे। सिद्दीकी ने कहा, ÷किसी ने भी हमसे ऐसे किसी प्रस्ताव के साथ सम्पर्क नहीं किया है। हमारी स्टेट कमेटी के किसी भी लीडर से किसी की ऐसी कोई बातचीत नहीं हुई है।

अगर किसी ने हमारी पार्टी की स्टेट लीडरशिप के किसी मेंबर से इस बारे में जुबानी बात की होती, तो उन्होंने मुझे बताया होता।

इसलिए, मुझे ऐसी किसी खबर के बारे में पता नहीं है कि कबीर की पार्टी असेंबली इलेक्शन में हमारे साथ गठबंधन करना चाहती है।

जगन्नाथ मंदिर से लेकर गीता पाठ,धार्मिक आयोजनों का साल

कोलकाता। वर्ष 2025 अपने अंतिम दिनों में कदम रख चुका है। अगला वर्ष 2026 बंगाल में सियासी घमासान का साल रहने वाला है। विधानसभा चुनाव होंगे। उसके पहले बीता हुआ साल बंगाल में एक तरह से सियासी तकरार के साथ ही धर्म युद्ध का भी वर्ष रहा है। भव्य जगन्नाथ मंदिर से लेकर बाबरी मस्जिद तक की नींव पड़ी जिसने साल की शुरुआत से लेकर अंत तक खूब सुर्खियां बटोरीं। साल के अंत में कोलकाता के ऐतिहासिक और सबसे बड़े ब्रिगेड परेड मैदान में पांच लाख लोगों ने एक साथ गीता पाठ कर अधर्म पर धर्म की विजय का आह्वान भी किया है। कुल मिलाकर देखें तो साल 2025 पश्चिम बंगाल के लिए केवल एक कैलेंडर वर्ष नहीं रहा, बल्कि यह आस्था, संस्कृति और राजनीति के आपसी मेल का एक लंबा अध्याय बन गया। जनवरी से दिसंबर तक राज्य में ऐसे धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन हुए, जिन्होंने न सिर्फ देश बल्कि दुनिया का ध्यान बंगाल की ओर खींचा। कहीं सरकार की योजनाएं धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देती दिखीं, तो कहीं धार्मिक आयोजनों ने सीधे राजनीति की दिशा और दशा को प्रभावित किया। सारे तीरथ बार-बार गंगासागर एक बार...साल की शुरुआत गंगासागर मेले से हुई। 14 और 15 जनवरी को मकर संक्रांति के अवसर पर दक्षिण 24 परगना के सागर द्वीप पर आस्था का सैलाब उमड़ा। गंगा और बंगाल की खाड़ी के संगम पर इस बार रिकॉर्ड करीब 60 से 70 लाख श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई। प्रशासनिक स्तर पर व्यापक इंतजाम किए गए। ÷सारे तीरथ बार-बार, गंगासागर एक बार÷ की कहावत को चरितार्थ करते हुए लाखों लोगों ने मोक्ष की चाह में आस्था की डुबकी लगाई। मार्च में नदिया जिले के मायापुर में इस्कॉन के चंद्रोदय मंदिर परिसर में भगवान नृसिंह देव के भव्य विग्रह के अभिषेक का आयोजन हुआ। दुनिया भर से आए इस्कॉन अनुयायियों ने इसमें भाग लिया और मायापुर एक बार फिर वैश्विक आध्यात्मिक मानचित्र पर उभरा।

भव्य जगन्नाथ मंदिर रहा राष्ट्रीय सुर्खियांअप्रैल के महीने में पूर्व मेदिनीपुर का दीघा देशभर में चर्चा का विषय बन गया। 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया के दिन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दीघा में ओडिशा के मशहूर मंदिर की तर्ज पर नवनिर्मित जगन्नाथ मंदिर का उद्घाटन किया। करीब 65 मीटर ऊंचा यह मंदिर ओडिशा के पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर की तर्ज पर बनाया गया है और राजस्थान के विशेष बलुआ पत्थर से इसका निर्माण हुआ है। सरकार का साफ संदेश था कि दीघा को एक बड़े धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाए, ताकि जो श्रद्धालु पुरी नहीं जा पाते, वे यहां दर्शन कर सकें। इस परियोजना को ममता बनर्जी के ड्रीम प्रोजेक्ट के तौर पर देखा गया। साथ ही इसे ममता बनर्जी की सरकार पर लगने वाले मुस्लिम तुष्टीकरण के आरोपों के काट के तौर पर भी प्रचारित किया गया। हालांकि इस मंदिर निर्माण को लेकर ओडिशा सरकार के साथ तकरार भी हुई।

शहीद दिवस के मंच से ममता ने किया दुर्गांगन का ऐलानगर्मियों के बाद मानसून के साथ राजनीति और संस्कृति का मेल और गहराया। 21 जुलाई को शहीद दिवस की रैली में मुख्यमंत्री ने कोलकाता के न्यू टाउन इलाके में 'दुर्गा आंगन' बनाने की घोषणा की। इसके बाद जुलाई से सितंबर के बीच इस परियोजना पर काम शुरू हुआ। हिडको को जमीन आवंटित की गई और इसे ऐसा स्थायी परिसर बनाने की योजना सामने आई, जहां यूनेस्को से मान्यता प्राप्त बंगाल की दुर्गा पूजा को साल के 365 दिन महसूस किया जा सके। प्रस्तावित दुर्गा आंगन में संग्रहालय, कला दीर्घा और मां दुर्गा के विभिन्न रूपों की झांकियां शामिल होंगी। यह परियोजना सांस्कृतिक पहचान के साथ पर्यटन को जोड़ने की एक बड़ी कोशिश मानी गई। अक्टूबर में दुर्गा पूजा और रेड रोड कार्निवल ने एक बार फिर कोलकाता को वैश्विक मंच पर पहुंचाया। यूनेस्को हेरिटेज टैग मिलने के बाद दुर्गा पूजा का यह उत्सव सिर्फ धार्मिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक बना।

विवादित बाबरी मस्जिद की नींव भी पड़ी बंगाल मेंसाल के आखिरी महीनों में धार्मिक आयोजनों के साथ विवाद और राजनीति भी तेज हो गई। अयोध्या की विवादित बाबरी विध्वंस के दिन 6 दिसंबर को मुर्शिदाबाद के रेजीनगर में तृणमूल कांग्रेस से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने बाबरी मस्जिद की तर्ज पर एक मस्जिद और शिक्षण संस्थान की नींव रखी। उनके इस दावे कि ढांचा अयोध्या की बाबरी मस्जिद जैसा दिखेगा, ने राज्य की राजनीति में हलचल मचा दी। क्योंकि उच्चतम न्यायालय के आदेश पर अयोध्या में भव्य राम मंदिर बन चुका है जो दुनिया भर के करोड़ों हिंदुओं की आस्था से जुड़ा है। चुनाव से पहले बंगाल की इस बाबरी का राजनीतिक नुकसान पार्टी को ना उठाना पड़े इसलिए टीएमसी नेतृत्व ने खुद को इस आयोजन से अलग किया और सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के आरोपों के बीच कबीर पर कार्रवाई की गई। इसके बाद उन्होंने अपनी नई पार्टी 'जनता उन्नयन पार्टी' (जेयूपी) का गठन किया है। पार्टी के झंडे में हुमायूं ने भगवा रंग को सबसे नीचे और हरे रंग को सामने रखा है। ब्रिगेड में गीता पाठ से अधर्मी ताकतों के अंत का आह्वानइसके ठीक अगले दिन 7 दिसंबर को कोलकाता के ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड मैदान में एक अलग ही तस्वीर देखने को मिली। करीब पांच लाख लोगों ने एक साथ भगवद गीता का पाठ किया। 'पांच लखो कंठे गीता पाठ' (पांच लाख कंठों से गीता पाठ) नाम के इस आयोजन में विभिन्न हिंदू संगठनों, संतों के साथ बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री और साध्वी ऋतंभरा भी उपस्थित हुईं।

दोनों ने बंगाल से नकारात्मक तत्वों के अंत का आह्वान किया। इन्होंने एक तरह से ममता सरकार के खात्मे की अपील की। इसी मंच से राज्यपाल डॉ. सीवी आनंद बोस ने भी कहा कि बंगाल ने परिवर्तन का मन बना लिया है। इसीलिए इस आयोजन को 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले बड़े संकेत के तौर पर देखा गया है। इसे सनातन धर्म के प्रचार और बंगाल में हिंदू आस्था की शक्ति के प्रदर्शन के रूप में देखा गया। साल 2023 के बाद यह अब तक का सबसे बड़ा धार्मिक जमावड़ा माना गया।

गंगा मिशन ने किया निःशुल्क चिकित्सा एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन

400 मरीजों का उपचार, 30 के होंगे निःशुल्क ऑपरेशन

हावड़ा, नि.सं। गंगामिशन की ओर से रविवार को ताजपुर, कालितला, आमता (हावड़ा) में निःशुल्क चिकित्सा एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर सम्प्रीति उत्सव आमता के सहयोग से आयोजित किया गया। शिविर में लगभग 400 मरीजों का उपचार किया गया। सभी मरीजों की ब्लड शुगर, ब्लडप्रेशर एवं स्वास्थ्य संबंधी सामान्य जांच निःशुल्के की गई। मरीजों को निःशुल्क दवाइयाँ वितरित की गईं तथा 70 मरीजों को आई ड्रॉप्स भी प्रदान किए गए।

नेत्र जांच के दौरान 90 मरीजों की नजर कमजोर पाई गई, जिन्हें निःशुल्क चश्मे वितरित किए जाएंगे। 30 मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया। इन मरीजों के निःशुल्क ऑपरेशन आगामी 20 जनवरी को मारवाड़ी रिलीफ सोसायटी अस्पताल में निःशुल्क किए जाएंगे।

शिविर के समन्वयक गंगा मिशन के प्रतिनिधि सरदार ज्योति सिंह ने बताया कि गंगा मिशन के राष्ट्रीय सचिव एवं मारवाड़ी रिलीफ सोसायटी के प्रधान महासचिव प्रह्लाद रॉय गोयनका की प्रेरणा से आयोजित इस शिविर को सफल बनाने में डॉ. सादिया खान, डॉ. प्रशांत पाल एवं सामन आलम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। शिविर में स्थानीय विधायक सुकांत पाल भी उपस्थित रहे, जिन्होंने आयोजकों के प्रयासों की सराहना करते हुए इसे जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाने की सराहनीय पहल बताया। विधायक सुकांत पाल ने प्रह्लाद राय गोयनका एवं एमआरएसएच अस्पताल के महासचिव को विशेष धन्यवाद दिया गया।

'उन्नयनेर पंचाली' के रंग में रंगा बंगाल

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस की ओर से रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट साझा करते हुए दावा किया कि पूरा पश्चिम बंगाल इस समय 'उन्नयनेर पंचाली' की भावना से गूंज रहा है। पार्टी के अनुसार, राज्य के कोने-कोने में 'उन्नयनेर पंचाली ब्रोतो कथा' कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, जहां बड़ी संख्या में महिलाएं एक साथ जुट रही हैं। तृणमूल कांग्रेस ने अपने पोस्ट में कहा कि इन कार्यक्रमों के माध्यम से बंगाल की महिलाएं सामाजिक और राजनीतिक विभाजनों से ऊपर उठकर एकजुट हो रही हैं और पिछले 15 वर्षों में हुए कथित परिवर्तनकारी विकास की कहानी साझा कर रही हैं। इन सभाओं में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी यह दर्शाती है कि राज्य में तेजी से विकास हो रहा है।

पोस्ट में यह भी कहा गया है कि 'उन्नयनेर पंचाली' केवल एक अभियान नहीं, बल्कि राज्य में विकास और प्रगति के सफर का उत्सव है, जिसमें महिलाओं की भूमिका अहम है। तृणमूल कांग्रेस ने विश्वास जताया कि यह विकास यात्रा आगे भी इसी तरह मजबूती के साथ जारी रहेगी। इस अभियान को 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले तृणमूल कांग्रेस के जनसंपर्क और राजनीतिक रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है, हालांकि पार्टी की ओर से इसे विकास के उत्सव के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

संपादकीय

इंसाफ केवल होना नहीं, दिखना भी चाहिए

एक ओर महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों पर लगाम नहीं लग पाना आज भी एक बड़ी चुनौती है, वहीं कानूनी नुक्तों का फायदा उठा कर बलात्कार जैसे जघन्य अपराध के दोषी को भी कई बार रियायत दे दी जाती है। संभव है कि कानून की किसी व्याख्या के मुताबिक, अदालत में बलात्कार के दोषी सिद्ध हुए व्यक्ति को जमानत का पात्र समझा जाए, लेकिन इससे पीड़ित महिला के लिए न्याय सुनिश्चित किए जाने की प्रक्रिया गंभीर रूप से बाधित होती है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के उन्नाव में एक नाबालिग लड़की से बलात्कार के मामले में वर्ष 2019 में पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को उम्रकैद की सजा हुई थी। अदालत ने भारतीय दंड संहिता के तहत बलात्कार के मामले और बच्चे-बच्चियों के यौन शोषण से सुरक्षा के कानून 'पाक्सो' में गंभीर यौन हिंसा के प्रावधानों के मुताबिक सजा दी थी। तब यह घटना देश भर में व्यापक चिंता और आक्रोश का कारण बनी थी। मगर अब दिल्ली हाई कोर्ट ने सेंगर की सजा को निलंबित करने का आदेश दे दिया। इस संदर्भ में एक अहम तथ्य यह है कि दोषी सिद्ध होने के बाद निचली अदालत ने साफ कहा था कि सेंगर को जीवन भर जेल में रहना होगा। जाहिर है, अपराध की गंभीरता और प्रकृति के मद्देनजर निचली अदालत में सेंगर को मिली सजा को कानून के मुताबिक माना जा रहा था, लेकिन दिल्ली उच्च न्यायालय ने जिस आधार पर उस सजा को निलंबित करने का आदेश दिया, वह स्वाभाविक ही विवादों के घेरे में आ गया। अब सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने की मांग की गई है। दरअसल, इस घटना के बाद पीड़िता को जिन हालात का सामना करना पड़ा और उसके जीवन तक पर जिस तरह के जोखिम खड़े हुए थे, वे बेहद अप्रत्याशित थे, मगर उससे साफ था कि जघन्य अपराधों के बाद एक ऊंचे राजनीतिक रसूख वाला आरोपी पीड़िता को खामोश करने के लिए किस हद तक जा सकता है। इस दौरान पीड़िता के पिता की जान चली गई; एक ट्रक ने उस कार को टक्कर मार दी।

गुजरात के इस प्रमुख नगर को पहले कर्णावती के ही नाम से जाना जाता था। दस्तावेजों के मुताबिक, इसकी स्थापना 11वीं सदी में सोलंकी शासक कर्णदेव ने की थी। उसी के नाम के चलते इसे कर्णावती कहा जाता था। लेकिन बाद में वहां सुल्तान अहमद शाह ने आक्रमण किया और कब्जे के बाद उसने इस शहर के बगल में 1411 में 'अहमदाबाद' बसाया। राष्ट्रमंडल खेलों के शताब्दी वर्ष के आयोजन की जिम्मेदारी अहमदाबाद को मिलने के बाद एक बार फिर उसका नाम बदलकर कर्णावती करने को लेकर सोशल मीडिया पर मांग तेज हो गई है। तर्क दिया जा रहा है कि राष्ट्रमंडल खेलों के आयोजन यानी साल 2030 तक गुजरात की पहली राजधानी को कर्णावती के नाम से जाना चाहिए। यह पहला मौका नहीं है, जब इस शहर का नाम बदलने की मांग हो रही है।

राष्ट्रमंडल खेलों के बहाने क्या अहमदाबाद बन पाएगा कर्णावती

(उमेश चतुर्वेदी)

जब साल 2018 में गुजरात के सहोदर राज्य महाराष्ट्र की तत्कालीन सरकार ने कई शहरों के नाम बदले, तब भी यह मांग उठी थी। लेकिन तब इसे अस्वीकार कर दिया गया था। वैसे भी भारतीय जनता पार्टी का जोर भारत के प्राचीन रूप और नाम पर रहा है, फिर गुजरात की सत्ता पर भाजपा तकरीबन तीन दशक से काबिज है, इसकी वजह से शहर को पुराने नाम की पहचान दिलाने की चाहत रखने वाले रह-रहकर मांग करते रहे हैं। गुजरात के इस प्रमुख नगर को पहले कर्णावती के ही नाम से जाना जाता था। दस्तावेजों के मुताबिक, इसकी स्थापना 11वीं सदी में सोलंकी शासक कर्णदेव ने की थी। उसी के नाम के चलते इसे कर्णावती कहा जाता था। लेकिन बाद में वहां सुल्तान अहमद शाह ने आक्रमण किया और कब्जे के बाद उसने इस शहर के बगल में 1411 में 'अहमदाबाद' बसाया। कर्णावती नाम करने की मांग के पीछे इस शहर को उसके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक जड़ों से फिर से जोड़ने की चाहत से प्रेरित है। कुछ वैसे ही, जैसे उत्तर प्रदेश में फैजाबाद को बदलकर अयोध्या, मुगलसराय को बदलकर दीनदयाल उपाध्याय नगर, इलाहाबाद को बदलकर प्रयागराज कर दिया गया है।

केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार आने के बाद गौरवशाली अतीत से जुड़ने और उसकी संज्ञाओं को बहाल करने का दौर तेज हो गया है। अयोध्या में राममंदिर, वाराणसी में काशी-विश्वनाथ कॉरीडोर और उज्जैन में महाकाल कॉरीडोर बनने के बाद पुनरूत्थानवादी सोच और प्रक्रिया को और बल मिला है। ऐसे में अहमदाबाद को पुराने कर्णावती नाम से जानने-पुकारने की इच्छा होना अचरज की बात नहीं है। कर्णावती नाम करने को लेकर कभी इसी शहर के एलिसब्रिज से विधायक और अब गांधीनगर से सांसद गृहमंत्री अमित शाह और अहमदाबाद पूर्व से लोकसभा सदस्य रहे हंसमुख भाई पटेल नकार चुके हैं। यह बात और है कि कभी हसमुख पटेल खुद भी कर्णावती नाम करने के लिए अभियान चला चुके थे। उन्होंने खुद 1995 और 2000 में नाम बदलने के लिए आवेदन भी दिया था, लेकिन इसे नकार दिया गया था। बाद में उन्होंने ही 2005 में शहर को हेरिटेज सिटी यानी विरासत शहर का दर्जा देने की मांग की थी। इसके बाद वे कर्णावती नाम किए जाने की मांग से पीछे हट गए थे। तब उन्होंने कहा था कि अब अगर

अहमदाबाद शहर का नाम बदलकर कर्णावती किया गया तो उसे वर्ल्ड हेरीटेज सिटी का दर्जा मिलना मुश्किल हो जाएगा।

साल 2018 में गुजरात के तत्कालीन उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने कहा था कि राज्य सरकार अहमदाबाद का नाम बदलकर कर्णावती करने पर विचार कर रही है। राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री विजय रुपाणी भी ऐसा कहते रहे। तब उनकी राय सामने आने के बाद अहमदाबाद के इतिहास को लेकर नई बहस छिड़ गई थी। इसी तरह जब से अहमदाबाद को 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों के आयोजन का जिम्मा मिला है, एक बार फिर यही बहस तेज हो गई है।

अहमदाबाद ही कर्णावती था, इसकी जानकारी कई ऐतिहासिक पुस्तकों में मिलती है। ऐसी ही एक पुस्तक है, गुजरात विश्वविद्यालय में फ़ारसी के प्रमुख रहे छोटूभाई नायक की किताब 'हिस्ट्री ऑफ़ इस्लामिक सल्तनत इन गुजरात'। इसमें छोटू भाई नायक ने बताया है कि गुजरात के पहले स्वतंत्र शासक मुज़फ़्फ़रशाह ने अपने चार लड़कों को दरकिनार करते हुए अपने पोते अहमद शाह को अनहिलवाद के सिंहासन पर बैठा दिया था। जिसे आज हम पाटन के नाम से जानते हैं। इसी मुज़फ़्फ़र शाह के पांच बेटे थे, फ़िरोज़ ख़ान, हैबत ख़ान, सादत ख़ान, तातार ख़ान और शेर ख़ान। जिस अहमद शाह ने अहमदाबाद बसाया, वह तातार ख़ान का बेटा था। अहमद शाह के चाचाओं को इस बात का मलाल रहा कि राज्य में उन्हें हिस्सा नहीं मिला। गुजरात के इतिहास पर अंग्रेज लेखक एडवर्ड क्लाइव बेले की मशहूर किताब है, 'द लोकल मौह्मडन डायनेस्टीज़- गुज़रात'। इसमें उन्होंने मुजफ्फरशाह परिवार के संघर्ष पर प्रकाश डाला है। इस पुस्तक में बताया गया है कि फ़िरोज़ ख़ान का बेटा और अहमद शाह का चचेरा भाई मौदूद तब बड़ोदा का गवर्नर था। मौदूद ने अपने पिता फ़िरोज़ ख़ान के साथ मिलकर अहमद शाह के ख़िलाफ़ बग़ावत छेड़ने की तैयारी की और अपने साथ अमीर मुसलमानों को मिलाना शुरू किया। इस पुस्तक के मुताबिक, तत्कालीन दो हिंदू सरदारों, जीवनदास खत्री और प्रयागदास ने भी फ़िरोज़ ख़ान का साथ दिया। छोटू भाई शाह की पुस्तक के अनुसार, मालवा के सुल्तान हुशांग शाह ने भी अहमद शाह के ख़िलाफ़ बग़ावत में फ़िरोज़ ख़ान का साथ दिया था। अहमद शाह के ख़िलाफ़ खड़ी हो रही सेना की अगुआई मौदूद के हाथ थी, उसने जीवनदास को अपना वज़ीर घोषित कर दिया। जीवनदास ने पाटन पर हमले की सलाह दी। लेकिन कई ने इसका विरोध किया। कुछ लोग ऐसे भी रहे, जिन्होंने समझौते का प्रस्ताव रखा था। लेकिन दोनों पक्षों में विवाद इतना बढ़ा कि कुछ लोगों ने पलट कर अहमद शाह से मिल गए। बहरहाल बाद में संघर्ष हुआ, जिसमें जीवनदास खत्री मारा गया।

इसके बाद मौदूद को मजबूरी में खंबात का रूख करना पड़ा। वहां सूरत के शेख मलिक और रेंडर से उसकी मुलाकात हई। इस बीच अहमद शाह उसका पीछा करता रहा और उसने जल्द ही मौदूद को गिरफ्तार करके भरूच किले को घेर लिया। बाद में सुल्तान को मौदूद पर दया आ गई और उसने मौदूद को रिहा करके वापस लौट गए। पाटन लौटते वक्त अहमदशाह ने साबरमती के किनारे असावल नामक कस्बे के पास डेरा डाला था। जिसके प्रमुख आशा भील थे। इसका जिक्र फारसी भाषा में लिखी अली मुहम्मद ख़ान की किताब मिरात-ए-अहमदी में जिक्र मिलता है। छोटूभाई नायक भी अपनी किताब में यही बात लिखते हैं। जहां सुल्तान रुका था, वहीं उसने नया शहर बसाने का फ़ैसला किया।

इसके बाद सुल्तान अपनी सेना लेकर आए जिसके बाद असावल के सरदार आशा भील को अपना क़स्बा छोड़कर भागना पड़ा। लेकिन आशा भील इसका विरोध कर रहे थे। लेकिन अहमदशाह की सेना के सामने वह टिक नहीं पाए और उन्हें पलायन करना पड़ा। फिर अहमदाबाद शहर की नींव 1411 के फरवरी-मार्च महीने में रखी गई। एक दावा यह भी है कि अहमद शाह ने अपने पीर हज़रत शेख़ अहमद खट्टू गंज बख़्श की सलाह पर अहमदाबाद शहर बसया। लेकिन एक और लेखक खान बहादुर ने अपनी पुस्तक 'हिस्ट्री ऑफ़ गुजरात' में लिखा है कि अहमद शाह ने चार अहमदों, जिनमें एक उनके गुरू भी थे, के नाम पर शहर का नाम अहमदाबाद रखा।

गुजरात के जाने-माने पत्रकार अच्युत याज्ञनिक और उनकी साथी सुचित्रा सेठ ने अपनी किताब अहमदाबाद फ्रॉम रॉयल सिटी टू मेगा सिटी में अहमदाबाद, कर्णावती और असावल की चर्चा की है। अहमदाबाद को अरबी और फ़ारसी इतिहासकारों ने इसे असावल कहा है, जबकि संस्कृत और प्राकृत साहित्य में इसे आशापल्ली कहा गया है। दसवीं सदी में भारत आए ईरानी इतिहासकार अल-बरूनी ने भी असावल नाम की जगह का जिक्र किया है। इसी तरह 1039 में लिखी जैन आचार्य जिनेश्वरसुरी की पुस्तक निर्वाणलीलावतीकथा में अशापल्ली का ज़िक्र है।साफ है कि अहमदाबाद के पहले वहां आशापल्ली या असावल नाम की जगह थी या शहर था। इसके करीब 1304-05 में लिखी अपनी पुस्तक प्रबंधचिंतामणि में जैन आचार्य मेरुतुंडाछ्य ने कर्णावती का उल्लेख किया है। इसी किताब में जिक्र मिलता है कि पाटन के राजा कर्णदेव ने आशापल्ली पर कब्जा आशा भील को हराने के बाद किया और यहां पहले कोछराब देवी का मंदिर स्थापित करके यहां रहना शुरू किया। इसके बाद उन्होंने यहां कर्णेश्वर महादेव का मंदिर बनाया भी बनाया। इसके बाद उन्होंने कर्णा सागर बनवाया और कर्णावती पुरी को बसाकर उसे अपनी राजधानी बनाया।

इन्हीं ऐतिहासिक साक्ष्यों के ही आधार पर अहमदाबाद को कर्णावती करने की मांग उठती रही है। राष्ट्रमंडल खेलों के आयोजन के बहाने एक बार फिर यह मांग उठ रही है। राष्ट्रमंडल खेलों के आयोजन की तैयारी में यह शहर सजेगा, उसकी गरिमा में चार-चांद लगेगा। इसी बहाने अगर उसका इतिहास लौट आए तो इसे कम से कम इतिहास, संस्कृति और गौरवपूर्ण अतीत से स्नेह करने वाले लोगों को भला क्यों एतराज होगा। देखना यह है कि गरिमा और गौरव पूर्ण अतीत की ओर लौटने की यह यात्रा कब तक पूरी हो पाती है। लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

गुरु की गर्जना, सभ्यता की शपथ- सवा लाख से एक लड़ाने वाला महासंत

(प्रणय विक्रम सिंह)

इतिहास के कुछ क्षण ऐसे होते हैं, जब कोई व्यक्ति नहीं, पूरी सभ्यता बोलती है। गुरु श्री गोबिन्द सिंह जी महाराज ऐसे ही क्षणों की आवाज हैं। वे किसी युग के साधु नहीं, सभ्यता के सेनापति थे। वे उस समय खड़े हुए, जब सनातन संस्कृति को मिटाने की योजनाएं तलवार से कम और विश्वासघात से अधिक रची जा रही थीं। उस समय गुरु ने समझौता नहीं किया, संघर्ष का शंखनाद किया।उस अंधकार में गुरु का जीवन दीपशिखा बनकर जला, न केवल सिख पंथ के लिए, बल्कि सम्पूर्ण भारतीय चेतना के लिए। गुरु गोबिन्द सिंह जी महाराज ने धर्म को पूजा की परिधि से निकालकर जीवन का साहस बनाया। उनके लिए स्वधर्म का अर्थ आत्मरक्षा भर नहीं था, बल्कि समाज और संस्कृति की रक्षा था। वे जानते थे कि जब अन्याय संगठित हो जाए, तो सत्य को भी संगठित होना पड़ता है। ऐसे समय पर धर्म का मौन अपराध बन जाता है। यही कारण है कि गुरु ने शास्त्र से शील और शस्त्र से शौर्य दोनों को एक ही श्वास में साधा। यही संत-सैनिक परंपरा है। यही खालसा है। और यही सनातन की वह चेतना है, जो संकट में तपकर और तेजस्वी होती है। सवा लाख से एक लड़ाऊं, चिड़ियन ते मैं बाज तुड़ाऊं, तबै गुरु गोबिंद सिंह नाम कहाऊं। यह पंक्ति कविता नहीं, घोषणा है। यह अहंकार नहीं, आत्मविश्वास है। यह संख्या की चुनौती नहीं, चरित्र की कसौटी है। गुरु कहते हैं कि मैं तब ही गुरु कहलाऊंगा, जब भयभीत भी वीर बनें, जब कमज़ोर भी शेर बनें, जब दमन के आकाश में उड़ती चिड़िया भी बाज से भिड़ने का साहस करे। यही खालसा का संकल्प हैज गिनती से नहीं, गुण से लड़ना। सिख पंथ कोई पृथक मार्ग नहीं, सनातन चेतना का ओजस्वी, उज्ज्वल और निर्भीक विस्तार है।सनातन परंपरा के पुनरुत्थान की उद्घोषणा है। गुरु गोबिन्द सिंह जी की वाणी में वेदों का विवेक है, गीता का कर्मयोग है और शक्ति-उपासना का ओज है। चंडी चरित्र में वे महाशक्ति का आह्वान करते हैं, चौबीस अवतार में विष्णु परंपरा का विस्तार करते हैं और 'शुभ करमन से कबहुँ न टरौं' में उसी सनातन प्रतिज्ञा को स्वर देते हैं, जिसने भारत को कभी पराजित नहीं होने दिया। गुरु के लिए राम, कृष्ण, दुर्गा प्रतीक नहीं संस्कार हैं। युद्धभूमि की प्रेरणा हैं। उनका जीवन सुविधाओं का नहीं, संघर्षों का सिंहनाद है। बलिदानों की बरछी है। आनंदपुर की घेराबंदी, चमकौर का रण, सरहिंद का रक्तरंजित अध्याय ये सब बताते हैं कि गुरु ने धर्म के लिए केवल प्रवचन नहीं दिए, वंश अर्पित कर दिया। 'जफरनामा' कोई शिकायत नहीं, बल्कि विजय-पत्र है। उस सत्य की विजय, जो सत्ता के सिंहासन से भी ऊंचा होता है। जब गुरु कहते हैं कि अब झूठी कसमों पर भरोसा नहीं, तो वह केवल औरंगज़ेब को नहीं, पूरी इस्लामी छल-परंपरा को ललकार रहे होते हैं।

चार साहिबजादों का बलिदान भारतीय इतिहास का वह शिखर है, जहां काल भी नतमस्तक हो जाता है। जहां शब्द थम जाते हैं। रण में अजीत सिंह और जुझार सिंह का शौर्य और सरहिंद में जोरावर सिंह व फतेह सिंह की अडिग आस्था, यह सिद्ध करती है कि धर्म उम्र नहीं पूछता, धैर्य पहचानता है। दीवारों में चुने गए वे बालक भारत की आत्मा में आज भी जीवित हैं। यह संदेश है कि सनातन चेतना को मिटाने के लिए केवल सेना नहीं, समूची सभ्यता को मारना पड़ेगा और यह असंभव है।

जो लोग आज इन बलिदानों को तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत करते हैं, जो गुरु को मूर्तिभंजक बताने का दुस्साहस करते हैं, वे केवल अज्ञानी नहीं-वैचारिक अपराधी हैं। जो चंडी चरित्र रचता है, जो माता की मूर्ति को शब्दों में प्राण देता है भाल निपट विशाल सकल विघ्न विमोचनी उसे मूर्तिपूजा का विरोधी कहना षड्यंत्र की चरम सीमा है।

गुरु श्री गोबिन्द सिंह जी महाराज स्मृति नहीं, संघर्ष की जीवित चेतना हैं। वे इतिहास नहीं सनातन की हुंकार हैं। वे आज भी पूछ रहे हैं कि तुम किस ओर हो? धर्म के साथ या डर के साथ? खालसा के साथ या समझौते के साथ? और याद रखो सवा लाख से एक लड़ने का साहस ही, सभ्यताओं को बचाता है।

अहंकार की राजनीति और लचर नेतृत्व ने इंडिया गठबंधन को 2025 में बिखेर कर रख दिया

महाराष्ट्र में निकाय चुनावों के दौरान कांग्रेस ने एनसीपी (शरद पवार गुट) और शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) से अलग होकर अकेले चुनाव लड़ने का निर्णय लिया। यह फैसला उस समय और भी चौंकाने वाला था, जब भाजपा के खिलाफ संयुक्त लड़ाई की बात बार-बार दोहराई जा रही थी। साल 2025 भारतीय राजनीति में विपक्षी गठबंधन इंडिया के लिए आंतरिक टकराव, रणनीतिक भ्रम और नेतृत्व संकट का वर्ष बनकर उभरा। 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद जिस गठबंधन से यह अपेक्षा की जा रही थी कि वह एक सशक्त, वैकल्पिक राजनीतिक धारा के रूप में उभरेगा, वही 2025 में अपनी ही कमजोरियों से जूझता नजर आया। यह वर्ष विपक्ष के लिए न तो संगठनात्मक मजबूती लेकर आया, न ही वैचारिक स्पष्टता।

(नीरज कुमार दुबे)

सबसे बड़ा और प्रतीकात्मक तथ्य यह रहा कि पूरे 2025 में इंडिया गठबंधन की एक भी औपचारिक बैठक नहीं हुई। किसी भी राजनीतिक गठबंधन के लिए बैठकें केवल औपचारिकता नहीं होतीं, बल्कि संवाद, समन्वय और साझा रणनीति का आधार होती हैं। बैठकों का न होना यह संकेत देता है कि गठबंधन नाम मात्र का रह गया है, जबकि ज़मीनी स्तर पर दल अपनी-अपनी राह चलने लगे हैं।

दिल्ली विधानसभा चुनावों में यह बिखराव खुलकर सामने आया, जब आम आदमी पार्टी और कांग्रेस ने गठबंधन तोड़कर अलग-अलग चुनाव लड़ने का फैसला किया। 2024 में लोकसभा चुनावों में सीमित तालमेल के बाद यह उम्मीद थी कि दिल्ली में विपक्ष एकजुट रहेगा, लेकिन आपसी अविश्वास और राजनीतिक अहंकार ने इस संभावना को खत्म कर दिया। नतीजा यह हुआ कि विपक्षी वोटों का विभाजन हुआ और इसका लाभ सीधे तौर पर भाजपा को मिला।

इसी तरह महाराष्ट्र में निकाय चुनावों के दौरान कांग्रेस ने एनसीपी (शरद पवार गुट) और शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) से अलग होकर अकेले चुनाव लड़ने का निर्णय लिया। यह फैसला उस समय और भी चौंकाने वाला था, जब भाजपा के खिलाफ संयुक्त लड़ाई की बात बार-बार दोहराई जा रही थी। कांग्रेस का यह रुख उसके सहयोगियों के लिए संकेत था कि गठबंधन केवल सुविधा का मंच है, प्रतिबद्धता का नहीं।

बिहार में तस्वीर थोड़ी अलग दिखी। यहां विपक्षी महागठबंधन ने मिलकर चुनाव लड़ा, लेकिन आपसी फूट, नेतृत्व की खींचतान और समन्वय की कमी ने इसे अब तक की सबसे बड़ी हार दिला दी। टिकट वितरण से लेकर प्रचार की रणनीति तक, हर स्तर पर असंतोष और अविश्वास साफ नजर आया। यह हार इसलिए भी ज्यादा चर्चा में रही क्योंकि एकजुटता के बावजूद गठबंधन जनता के बीच एक स्पष्ट, विश्वसनीय विकल्प के रूप में खुद को पेश नहीं कर सका।

2025 में इंडिया गठबंधन के भीतर नेतृत्व को लेकर असमंजस लगातार गहराता गया। समय-समय पर यह मांग उठती रही कि गठबंधन का नेतृत्व केवल कांग्रेस के हाथों में न रहे। तृणमूल कांग्रेस ने इस मांग की खुलकर अगुवाई की, यह कहते हुए कि क्षेत्रीय दलों की राजनीतिक ताकत और जनाधार को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

उधर, कांग्रेस की यह समस्या रही कि वह गठबंधन का नेतृत्व तो करना चाहती है, लेकिन उसके अनुरूप लचीलापन और सामूहिकता दिखाने में अक्सर

विफल रहती है। यही कारण है कि उसके कई सहयोगी दल उसके रुख से इत्तेफाक नहीं रख पाए।

साथ ही इंडिया गठबंधन के भीतर मतभेद केवल चुनावी रणनीति तक सीमित नहीं रहे, बल्कि मुद्दों पर भी एकरूपता का अभाव साफ दिखा। जम्मू-कश्मीर की नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला का बयान इस संदर्भ में बेहद महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि एसआईआर के विरोध में कांग्रेस के उतरने का मतलब यह नहीं है कि वह हमारी भी लड़ाई हो। यह बयान सिर्फ एक मुद्दे पर असहमति नहीं था, बल्कि यह दर्शाता था कि गठबंधन के घटक दल अपनी-अपनी क्षेत्रीय प्राथमिकताओं और राजनीतिक मजबूरियों के अनुसार फैसले ले रहे हैं। ऐसे ही विचार समय-समय पर अन्य सहयोगी दलों की ओर से भी सामने आते रहे, जिससे गठबंधन की साझा वैचारिक जमीन और भी कमजोर होती चली गई।

इसी कड़ी में यदि राहुल गांधी की भूमिका का विश्लेषण किया जाए तो 2025 उनके लिए भी अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर पाने का वर्ष साबित हुआ। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में उनसे यह उम्मीद की जा रही थी कि वह महंगाई, बेरोजगारी, किसानों और मध्यम वर्ग से जुड़े जनहित के मुद्दों पर सरकार को घेरेंगे, लेकिन वह अधिकतर समय चुनाव आयोग पर निशाना साधने और संवैधानिक संस्थानों को कठघरे में खड़ा करने में व्यस्त नजर आए। इससे न केवल उनकी भूमिका पर सवाल खड़े हुए, बल्कि विपक्ष की विश्वसनीयता को भी नुकसान पहुंचा। कांग्रेस की अंदरूनी खींचतान, खासकर कर्नाटक में नेतृत्व और सत्ता संतुलन से जुड़े विवाद, का समाधान निकालने में भी वह विफल रहे। इसके अलावा पूरे वर्ष दिए गए उनके कई बयानों ने कांग्रेस ही नहीं, बल्कि उसके सहयोगी दलों की भी मुश्किलें बढ़ाई, जिससे इंडिया गठबंधन के भीतर असहजता और अविश्वास और गहराता चला गया। देखा जाये तो साल 2025 विपक्षी इंडिया गठबंधन के लिए एक बड़ा अवसर हो सकता था, लेकिन यह वर्ष आपसी अविश्वास, नेतृत्व संघर्ष और रणनीतिक भ्रम की भेंट चढ़ गया।

बहरहाल, इंडिया गठबंधन अगर भविष्य में प्रासंगिक बने रहना चाहता है, तो उसे नाम से आगे बढ़कर वास्तविक राजनीतिक एकजुटता दिखानी होगी। साझा मंच, नियमित संवाद, स्पष्ट नेतृत्व संरचना और क्षेत्रीय दलों की आकांक्षाओं का सम्मान किये बिना यह गठबंधन केवल कागजी रह जाएगा। 2025 ने विपक्ष को यह सख्त संदेश दे दिया है कि बिखराव की राजनीति सत्ता का विकल्प नहीं बन सकती।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

चम्पारण में शेयर बाजार में निवेश के नाम पर आठ करोड़ की साइबर ठगी

पश्चिम चम्पारण (बगहा) । बगहा में शेयर बाजार में निवेश कर मोटा मुनाफा दिलाने का झांसा देकर करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले एक संगठित साइबर गिरोह का पुलिस ने खुलासा किया है।साइबर थाना में दर्ज मामले की जांच के दौरान सामने आया कि ठगों ने सुनियोजित तरीके से करीब 8 करोड़ रुपये की ठगी को अंजाम दिया है।इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है,जबकि पूरे नेटवर्क की जांच अभी जारी है।उक्त जानकारी प्रभारी पुलिस अधीक्षक निर्मला कुमारी ने प्रेस रिलीज जारी करके दिया। उन्होंने बताया पीड़ित के आवेदन के आधार पर साइबर थाना कांड संख्या 24/25 दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी,यह स्पष्ट होता गया कि यह कोई सामान्य ऑनलाइन ठगी नही,बल्कि एक संगठित साइबर अपराध है,जिसमें तकनीकी तरीकों और बैंकिंग सिस्टम की कमजोरियों का फायदा उठाया गया।पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि ठगी की गई रकम को एक ही खाते में रखने के बजाय लेयरिंग सिस्टम के तहत कई खातों में घुमाया गया।पहले चरण में निवेशकों से सीधे पैसे मंगवाए गए और बाद में रकम को अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कर दिया गया,ताकि पैसों की असली ट्रेल टूट जाए और जांच को भटकाया जा सके। एक कंपनी सामने आई,जो कागजों पर वैध दिखाई देती थी,लेकिन वास्तव में उसका कोई वास्तविक व्यवसाय नहीं था।पुलिस के अनुसार इसी कंपनी के नाम पर बैंक खाते खोलकर ठगी की रकम का लेन-देन किया गया।यह कंपनी सिर्फ साइबर

ठगी को अंजाम देने के उद्देश्य से बनाई गई थी।इस मामले में पुलिस ने वसीम अकरम उर्फ सैद समरुद्दीन,निवासी नवाब बहादुर रोड,थाना खगौल,जिला पटना को 3 दिसंबर 2025 को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान कई अहम जानकारियां सामने आईं,जिसके आधार पर जांच को आगे बढ़ाया गया।इसके बाद पुलिस ने उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद से शिवम चौहान,निवासी न्यू गंगा बिहार,सेक्टर-05, थाना खोड़ा को 8 दिसंबर 2025 को गिरफ्तार किया।ट्रांजिट रिमांड पर लाने के बाद 11 दिसंबर 2025 को उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।पुलिस का कहना है कि यह गिरोह केवल दो आरोपियों तक सीमित नहीं है।

इस ठगी में कई डमी खाताधारक,हैंडलर और अन्य लोग भी शामिल हो सकते हैं।फिलहाल बैंक खातों की जांच और डिजिटल लेन-देन की गहन पड़ताल की जा रही है।पुलिस को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में इस नेटवर्क से जुड़े और लोगों के नाम सामने आ सकते है।

ग्वाटेमाला में भीषण बस हादसा, खाई में गिरने से 15 लोगों की मौत, 19 घायल

ग्वाटेमाला। ग्वाटेमाला के पश्चिमी हिस्से में इंटर-अमेरिकन हाईवे पर शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि 19 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार, एक यात्री बस अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई।स्थानीय अग्निशमन विभाग के प्रवक्ता लिआंड्रो अमाडो ने बताया कि मृतकों में 11 पुरुष, तीन महिलाएं और एक नाबालिग शामिल है। हादसे के बाद राहत एवं बचाव दल ने घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया, जहां कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। यह दुर्घटना सोलोला विभाग में किलोमीटर 172 से 174 के बीच हुई। यह इलाका घने कोहरे के लिए जाना जाता है, जिससे दृश्यता बेहद कम हो जाती है और हादसों का खतरा बढ़ जाता है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, खराब दृश्यता और सड़क की परिस्थितियां दुर्घटना का कारण हो सकती हैं।

फायर ब्रिगेड द्वारा साझा की गई तस्वीरों में बस को खाई में क्षतिग्रस्त अवस्था में देखा जा सकता है, जबकि राहतकर्मी यात्रियों को बाहर निकालने में जुटे नजर आए। प्रशासन ने घटना की जांच शुरू कर दी है और हादसे के सटीक कारणों का पता लगाया जा रहा है।

Nagaland State Lotteries

DEAR

WISH SUNDAY WEEKLY LOTTERY

01:00 PM

Draw No:8 **Price ₹7/-** Draw Date on:28/12/25

1st Prize Amount For Winner ₹ 1 Crore + For Seller ₹ 5 Lakhs/- **90H 04933**

Cons. Prize Amount For Winner ₹ 1000/- + For Seller ₹ 500/- **04933**

(All Remaining Serial & Series of 1st Prize No.)

2nd Prize Amount For Winner ₹ 10,000/- + For Seller ₹ 500/-

00155	19949	19986	23443	48527
52890	53167	53426	72123	80872

3rd Prize Amount For Winner ₹ 500/- + For Seller ₹ 50/-

3034 4205 4700 6137 6690 6889 6975 7503 7724 8514

4th Prize Amount For Winner ₹ 250/- + For Seller ₹ 20/-

1351 2622 3863 4093 4601 5243 6056 6440 7443 9935

5th Prize Amount For Winner ₹ 120/- + For Seller ₹ 10/-

0012	0705	1518	2906	3625	4316	5867	6736	7658	9167
0071	0727	1643	2924	3643	4407	5923	6958	8091	9183
0116	0860	2017	2945	3839	4419	6112	6976	8119	9252
0117	0913	2198	3058	3867	4808	6140	7013	8137	9294
0375	0982	2215	3071	3938	5056	6175	7066	8366	9336
0409	1023	2432	3276	4026	5098	6263	7220	8511	9398
0432	1134	2443	3287	4063	5136	6456	7233	8740	9457
0449	1175	2452	3351	4116	5325	6548	7323	8764	9545
0509	1403	2527	3395	4239	5519	6568	7336	8921	9877
0676	1471	2703	3449	4311	5609	6646	7525	9029	9953

01:00 PM

Issued by : Director, Nagaland State Lotteries, Kohima

Watch Live Draw On :

nagalandlotteries.com/livedraw

केंद्र ने जारी किया इलेक्ट्रिक कृषि ट्रैक्टर का नया मानक

नई दिल्ली, । राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस के अवसर पर रविवार को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने इलेक्ट्रिक कृषि ट्रैक्टरों के लिए भारतीय मानक आईएस 19262:2025 इलेक्ट्रिक एग्रीकल्चरल ट्रैक्टर्स टेस्ट कोड जारी किया। यह मानक ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स (बीआईएस) द्वारा तैयार किया गया है, जिसका उद्देश्य इलेक्ट्रिक ट्रैक्टरों के परीक्षण को एकरूप, पारदर्शी और वैज्ञानिक बनाना है।

केंद्रीय उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अनुसार, आईएस 19262:2025 में इलेक्ट्रिक कृषि ट्रैक्टरों की जांच के लिए सरल दिशा-निर्देश और एक समान शब्दावली निर्धारित की गई है। इसमें पीटीओ पावर, ड्रॉबार पावर, बेल्ट-पुली प्रदर्शन, कंपन परीक्षण तथा ट्रैक्टर के विभिन्न घटकों के निरीक्षण से जुड़ी आवश्यक परीक्षण प्रक्रियाएं शामिल हैं। मंत्रालय का कहना है कि इससे किसानों और निर्माताओं, दोनों को एक स्पष्ट और भरोसेमंद परीक्षण ढांचा मिलेगा।मंत्रालय की ओर से बताया गया कि डीजल से चलने वाले ट्रैक्टरों की तुलना में इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर खेतों में धुआं नहीं छोड़ते, कम शोर उत्पन्न करते हैं और संचालन लागत भी अपेक्षाकृत कम होती है। इनमें चलित पुर्जों की संख्या कम होने के कारण मरम्मत और रखरखाव की आवश्यकता भी कम पड़ती है। लंबे समय

तक खेतों में काम करने वाले किसानों के लिए इन्हें पर्यावरण-अनुकूल और स्वास्थ्य की दृष्टि से बेहतर विकल्प माना जा रहा है।बीआईएस ने यह मानक कृषि मंत्रालय के अनुरोध पर प्राथमिकता के आधार पर विकसित किया है। इसके निर्माण में इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर निर्माता कंपनियों, शोध संस्थानों और कृषि अभियांत्रिकी विशेषज्ञों की सक्रिय भागीदारी रही। इस प्रक्रिया में आईसीएआरङ्क्षकेंद्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान (भोपाल), केंद्रीय फार्म मशीनरी परीक्षण संस्थान (बुदनी), ट्रैक्टर एंड मेकेनाइजेशन एसोसिएशन (नई दिल्ली), ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (पुणे) और ऑल इंडिया फार्मर्स एलायंस जैसे संगठनों ने सहयोग किया।

हालांकि, यह मानक फिलहाल स्वैच्छिक है, लेकिन सरकार और बीआईएस का मानना है कि इसके लागू होने से देश में इलेक्ट्रिक कृषि ट्रैक्टरों के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा, नई तकनीकों को अपनाने में तेजी आएगी और खेती में प्रदूषण कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी।

नेपाल से सटे इलाके से 330 किलो गांजा के साथ दो गिरफ्तार

अररिया। नेपाल से तस्करी कर भारतीय सीमा क्षेत्र में गांजा ले जा रहे दो भारतीय तस्करों को नेपाल की नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की टीम ने 330 किलो गांजा के साथ गिरफ्तार किया। कार्रवाई के दौरान नेपाल पुलिस की नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो टीम को दो राउंड हवाई फायरिंग करनी पड़ी।गिरफ्तार दोनों तस्कर भारतीय नागरिक हैं और अररिया के चंद्रमोहन गांव के सोहेल खान और अबुल हसन है।जिसे नेपाल पुलिस की नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की टीम हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।जानकारी नेपाल के मोरंग एसपी कवित कटवाल ने रविवार को दी।नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की टीम ने यह कार्रवाई भारत नेपाल सीमा में डुमरिया के पास बॉर्डर से सटे नेपाल परिक्षेत्र में दो सौ मीटर की दूरी पर की।यह इलाका नेपाल के मोरंग का जहदा गांवपालिका का है। मोरंग पुलिस एसपी कवित कटवाल ने पुष्टि करते हुए कहा की गोलीबारी करते हुए दो भारतीय नागरिकों को 330 किलो गांजे के साथ गिरफ्तार किया गया है।एसपी कटवाल के अनुसार,नेपाल पुलिस की नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की टीम को मिली गुप्त सुचना पर यह कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई में पुलिस ने भारत के अररिया जिले के चंदामोहन निवासी 24 वर्षीय अबुल हसन और 30 वर्षीय सोहेल खान को गांजा तस्करी में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार करने की बात कही।

Sikkim State Lotteries

DEAR

EMPIRE SUNDAY WEEKLY LOTTERY

06:00 PM

Draw No : 13 **Price ₹7/-** Draw Date on : 28/12/25

1st Prize Amount For Winner ₹ 1 Crore + For Seller ₹ 5 Lakhs/- **94B 68241**

SOLD BY : SELLER - RITAN SAHA - BERUBARI & SUB-STOCKIST - MAA DURGA LOTTERY AGENCY - BERUBARI

Cons. Prize Amount For Winner ₹ 1000/- + For Seller ₹ 500/- **68241**

(All Remaining Serial & Series of 1st Prize No.)

2nd Prize Amount For Winner ₹ 10,000/- + For Seller ₹ 500/-

04429	04873	32326	35107	36552
56491	58140	62089	99269	99835

3rd Prize Amount For Winner ₹ 500/- + For Seller ₹ 50/-

0393 0937 4269 4428 4571 5669 6299 6556 8852 9579

4th Prize Amount For Winner ₹ 250/- + For Seller ₹ 20/-

0132 0673 1965 2026 2301 3918 4549 5510 5658 6499

5th Prize Amount For Winner ₹ 120/- + For Seller ₹ 10/-

0140	0713	1756	2501	3400	4733	5382	6332	7649	9169
0174	0999	1829	2549	3885	4748	5402	6424	7813	9234
0288	1013	1852	2554	3924	4836	5426	6619	7863	9327
0336	1088	1930	2685	3942	4855	5469	6787	7878	9356
0502	1219	1989	2933	3959	4901	5655	6878	8005	9401
0515	1355	1994	2952	4031	4968	5671	7280	8145	9446
0551	1392	2060	3021	4038	5082	5827	7317	8195	9472
0635	1422	2274	3089	4255	5195	5831	7352	8451	9574
0643	1594	2318	3179	4312	5294	6074	7407	8563	9639
0680	1747	2335	3353	4527	5305	6287	7515	8788	9739

06:00 PM

Issued by :The Principal Director, Sikkim State Lotteries, Gangtok

Watch Live Draw On :

sikkimlotteries.com/livedraw

महाराष्ट्र एएनटीएफ ने बेंगलुरु से 55 करोड़ का मादक पदार्थ जब्त किया, चार गिरफ्तार

मुंबई, । महाराष्ट्र एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने बेंगलुरु में घरों से चल रही तीन अवैध मेफेड्रोन (एमडी) नामक मादक पदार्थ बनाने वाली फैक्ट्रियों पर छापा मारकर 55 करोड़ रुपये से ज्यादा की करीब 21 किलो ड्रग्स ज़ब्त किया है। महाराष्ट्र पुलिस ने इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले की छानबीन महाराष्ट्र एएनटीएफ की टीम कर रही है।

इस मामले की छानबीन कर रहे अधिकारी ने रविवार को बताया कि एएनटीएफ कोंकण की टीम नवी मुंबई के वाशी इलाके स्थित पुराने बस स्टाप के पास से मादक पदार्थ सहित अब्दुल कादिर राशिद शेख को गिरफ्तार किया था। अब्दुल कादिर के पास से 1.48 करोड़ रुपये की 1.48 किलो मेफेड्रोन बरामद की गई थी। इसके बाद एएनटीएफ ने इस मामले की छानबीन शुरु किया। शेख से पूछताछ के बाद एएनटीएफ कोंकण टीम बेलगाम के रहने वाले प्रशांत यल्लप्पा पाटिल तक पहुंची, जिस पर ड्रग बनाने का शक था। पाटिल को ट्रैक करके गिरफ्तार किया गया, और पूछताछ के दौरान उसने खुलासा किया कि ड्रग बेंगलुरु में तीन अस्थायी फैक्ट्रियों में बनाई जा रही थी।इसके बाद पुलिस ने दो और लोगों, सुरेश रमेश यादव और मलखान रामलाल बिश्नोई को गिरफ्तार किया, दोनों राजस्थान के रहने वाले हैं। दोनों ने कबूल किया कि वे मादक पदार्थ बनाने और बांटने में शामिल थे।

इन दोनों से मिली जानकारी के आधार पर एएनटीएफ की टीम ने बंगलुरु के गोलाहल्ली , स्पंदना और येरपनहल्ली कन्नूर इलाके में स्थित घरों में तीन ड्रग फैक्ट्रियों पर छापा मारकर 4.1 किलो एमडी ड्रग पावडर और 17.3 किलो लिक्विड रूप में, साइकोट्रॉपिक पदार्थ बनाने में इस्तेमाल होने वाले कई केमिकल और इसे बनाने के लिए ज़रूरी उपकरण जब्त किया।

शुरुआती जांच से पता चलता है कि इन यूनिट्स में बनी ड्रग्स देश के कई हिस्सों में सप्लाई की जाती थी। पुलिस ने यह भी बताया कि आरोपितों ने ड्रग तस्करी से कमाए पैसे बेंगलुरु में प्रॉपर्टी में लगाए थे। इस रैकेट में दो और संदिग्धों की पहचान की गई है और उन्हें ढूंढने और गिरफ्तार करने के लिए टीमें भेजी गई हैं।

धामी सरकार ने अब तक 571 अवैध मजारों को हटाया

देहरादून में एक और अवैध मजार हटाई गई, प्रशासन की कार्रवाई जारी

देहरादून, । अब तक धामी सरकार ने सरकारी भूमि पर बनी कुल 571 अवैध मजारों को हटाया है। देर रात उत्तराखंड की राजधानी में देहरादून में प्रशासन ने शास्त्री नगर, अजबपुर कलां क्षेत्र में सड़क किनारे बनी एक अवैध मजार को बुलडोजर से हटाया। नोटिस के बावजूद दस्तावेज न मिलने पर यह कार्रवाई की गई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि सरकारी भूमि पर अतिक्रमण कर बनाई गई अवैध संरचनाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। लोगों से स्वयं ऐसे निर्माण हटाने की अपील की गई है। प्रशासन की ओर से इस कार्रवाई से लगभग दो सप्ताह पूर्व संबंधित स्थल पर नोटिस चस्पा किया गया था, जिसमें संरचना के निर्माण से जुड़े वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे। निर्धारित समयावधि में कोई जवाब प्राप्त न होने पर यह कार्रवाई की गई। जिलाधिकारी के निर्देश पर नगर मजिस्ट्रेट प्रत्यूष सिंह और एसडीएम हरि गिरी के नेतृत्व में नगर निगम की टीम ने अवैध मजार को हटाया। कार्रवाई के दौरान संरचना के नीचे किसी भी प्रकार के अवशेष नहीं पाए गए। हटाए गए मलबे को मौके से साफ कर दिया गया। एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से कार्रवाई से पहले क्षेत्र को सील कर दिया गया था।

करीब एक घंटे तक चली इस कार्रवाई के दौरान किसी प्रकार का विरोध या अप्रिय स्थिति सामने नहीं आई। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, राज्य सरकार द्वारा अब तक सरकारी भूमि पर बनी कुल 571 अवैध मजारों को हटाया जा चुका है।

अरावली की नयी परिभाषा पर जयराम रमेश ने जतायी आपत्ति

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री को लिखा पत्र

नयी दिल्ली। अरावली पर्वतमाला की नई परिभाषा के खिलाफ जारी विरोध के बीच कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव को पत्र लिखकर इस पर गंभीर आपत्ति जताई है। जयराम रमेश ने पत्र में कहा है कि प्रस्तावित नई परिभाषा अरावली पर्वतमाला को केवल 100 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाले भू-आकार तक सीमित कर देती है, जबकि राजस्थान में वर्ष 2012 से अरावली की पहचान वन सर्वेक्षण भारत (एफएसआई) की 28 अगस्त 2010 की वैज्ञानिक रिपोर्ट में निर्धारित मानकों के आधार पर की जाती रही है। उन्होंने अपने पत्र में एफएसआई की ओर से 20 सितंबर को उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित केंद्रीय सशक्त समिति (सीईसी) को प्रस्तुत की गई जानकारी और समिति की 7 नवंबर की रिपोर्ट का हवाला देते हुए इस बदलाव के वैज्ञानिक, कानूनी और पारिस्थितिक प्रभावों पर तथ्यात्मक प्रश्न उठाए। रमेश ने लिखा कि क्या यह सत्य नहीं है कि 2010 की एफएसआई रिपोर्ट में तीन डिग्री या उससे अधिक ढलान वाले क्षेत्रों को, 100 मीटर के समान बफर सहित, पहाड़ी भू-आकृति माना गया था? इसके साथ ही उन क्षेत्रों के भीतर आने वाले सपाट भू-भाग, टेबलटॉप, अवनमन और घाटियों को भी अरावली की पहाड़ी संरचना का अभिन्न हिस्सा माना गया था? उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि क्या यह तथ्य नहीं है कि 20 सितंबर 2025 को एफएसआई ने मंत्रालय को बताया था कि 10 से 30 मीटर ऊंची छोटी पहाड़ियां मरुस्थलीकरण और रेत के तूफानों से दिल्ली तथा आसपास के मैदानी इलाकों की रक्षा में प्राकृतिक वायु अवरोधक का कार्य करती हैं और यह अवरोध प्रभाव ऊंचाई के साथ सीधे अनुपात में बढ़ता है? सीईसी रिपोर्ट का संदर्भ देते हुए जयराम रमेश ने कहा कि क्या यह सत्य नहीं है कि समिति ने निष्कर्ष निकाला था कि राजस्थान में 164 खनन पट्टे तत्कालीन एफएसआई परिभाषा के अनुसार अरावली पर्वतमाला के भीतर स्थित थे? उन्होंने आशंका जताई कि यदि नई परिभाषा लागू की गई, तो असंख्य छोटी पहाड़ियां और अन्य भू-रूप अरावली श्रेणी से बाहर हो जाएंगे, जिससे चार राज्यों में फैली इस प्राचीन पर्वतमाला की भौगोलिक निरंतरता और उसकी पारिस्थितिक संरचना गंभीर रूप से कमजोर हो सकती है।

अरुण जेटली की जयंती पर नेताओं ने उनके दूरदर्शी नेतृत्व और राष्ट्र सेवा को किया याद

नई दिल्ली,। पूर्व केंद्रीय मंत्री, प्रखर वक्ता और भारतीय राजनीति के दिग्गज नेता अरुण जेटली की जयंती पर उन्हें रविवार को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने उन्हें एक कुशल रणनीतिकार, उत्कृष्ट विधिवेत्ता और दूरदर्शी राजनेता के रूप में स्मरण किया, जिन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था और संसदीय परंपराओं को मजबूत करने में अमूल्य योगदान दिया।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर दिवंगत अरुण जेटली को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उन्होंने अपने बौद्धिक कौशल, गहरी संवैधानिक समझ और स्पष्ट दृष्टि से भारतीय राजनीति और नीति-निर्माण को नई दिशा दी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि अरुण जेटली की भारतीय जनता पार्टी को सशक्त बनाने में निभाई गई समर्पित भूमिका और उनकी तीक्ष्ण कानूनी सूझबूझ समय की कसौटी पर सदैव खरी उतरेगी।

भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने 'पद्म विभूषण' अरुण जेटली को नमन करते हुए कहा कि उनके कुशल नेतृत्व और दूरगामी सोच ने भारतीय राजनीति और अर्थव्यवस्था को एक नई दिशा प्रदान की।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भी पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली को

उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। नितिन गडकरी ने एक्स पोस्ट में लिखा, ÷पूर्व केंद्रीय मंत्री पद्म विभूषण अरुण जेटली की जयंती पर उन्हें अभिवादन÷। जबकि हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि पार्टी को मजबूती देने से लेकर देश की आर्थिक यात्रा को नई गति देने तक, अरुण जेटली ने अपनी गहरी और स्थायी छाप छोड़ी।

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने जेटली को प्रखर बुद्धिजीवी, राष्ट्रवादी विचारक और उत्कृष्ट संसदीय परंपराओं का शिल्पकार बताते हुए उन्हें श्रद्धासुमन· अर्पित किए।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि देश की राजनीतिक और आर्थिक नींव को मजबूत करने में पद्म विभूषण अरुण जेटली के व्यापक योगदान से भारत आज भी निरंतर लाभान्वित हो रहा है।

केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने जेटली को प्रख्यात विधिवेत्ता और कुशल रणनीतिकार के रूप में याद करते हुए कहा कि राष्ट सेवा में उनका योगदान अतुलनीय है। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने उन्हें कुशल रणनीतिकार, प्रखर वक्ता और प्रख्यात अधिवक्ता बताते हुए विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि अरुण जेटली की शालीनता, दूरदर्शिता और भारत के प्रति गहरी प्रतिबद्धता सार्वजनिक जीवन में सभी के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होती रहेगी।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजयेंद्र गुप्ता ने कहा कि देश की आर्थिक नीतियों को मजबूती देने से लेकर संसदीय परंपराओं को नई ऊँचाइयों तक पहुंचाने में अरुण जेटली का योगदान अविस्मरणीय है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि अरुण जेटली का संतुलित दृष्टिकोण और मृदुभाषी स्वभाव सार्वजनिक जीवन में गरिमा और मर्यादा के जो उच्च मानक स्थापित करता है, वह सदैव अनुकरणीय रहेगा।

म्यांमार में जुंटा के सख्त नियंत्रण में 5 साल बाद राष्ट्रीय चुनाव, विपक्ष नदारद

नेपीडॉ, ।म्यांमार में निर्वाचित सरकार के तख्तापलट के करीब पांच साल बाद रविवार को सैन्य प्रशासन जुंटा के नियंत्रण में तीन चरणों में राष्ट्रीय चुनाव कराए जाने की शुरूआत हुई।सेना के सख्त नियंत्रण वाले इस चुनाव में विपक्ष गैर मौजूद है, व्यापक स्तर पर गृहयुद्ध के चलते सीमित क्षेत्र में यह मतदान हो रहा है, जिसकी वैधता पर बड़े सवाल उठ रहे हैं। संयुक्त राष्ट के मानवाधिकार प्रमुख और पश्चिमी देश इसे सैन्य शासन को मजबूत करने का बहाना बता रहे हैं। जबकि सेना का दावा है कि यह चुनाव लोकतंत्र की वापसी का रास्ता तैयार करेगा।

करीब पांच करोड़ आबादी वाले म्यांमार में सैन्य शासन के नियंत्रण वाले इलाकों में तीन चरणों में होने वाले मतदान का पहला दौर स्थानीय समयानुसार आज सुबह छह बजे शुरू हुआ। मतदान का दूसरा चरण 11 जनवरी और तीसरा चरण 25 जनवरी को होगा। करीब पांच साल से गृहयुद्ध से जूझ रहे म्यांमार के विद्रोहियों के नियंत्रण वाले इलाकों में मतदान नहीं हो रहा है।

Nagaland State Lotteries

DEAR

MAGIC SUNDAY WEEKLY LOTTERY

08:00 PM

Draw No: 8 **Price ₹7/-** Draw Date on:28/12/25

1st Prize Amount For Winner ₹ 1 Crore + For Seller ₹ 5 Lakhs/- **63B 07783**

Cons. Prize Amount For Winner ₹ 1000/- + For Seller ₹ 500/- **07783**

(All Remaining Serial & Series of 1st Prize No.)

2nd Prize Amount For Winner ₹ 10,000/- + For Seller ₹ 500/-

10397	18117	20099	42416	48263
69723	70428	75141	91054	96491

3rd Prize Amount For Winner ₹ 500/- + For Seller ₹ 50/-

1504 1550 4198 4217 6337 7205 7489 8257 8469 9991

4th Prize Amount For Winner ₹ 250/- + For Seller ₹ 20/-

0377 2270 2348 2714 2910 5257 5983 7046 8131 9589

5th Prize Amount For Winner ₹ 120/- + For Seller ₹ 10/-

0153	1029	2300	3268	4293	5046	6034	7553	8441	9052
0227	1074	2498	3316	4303	5269	6119	7663	8532	9314
0378	1311	2527	3518	4369	5272	6120	7704	8557	9348
0419	1355	2656	3615	4454	5278	6281	7705	8634	9390
0424	1705	2798	3616	4494	5400	6367	7736	8635	9401
0461	1739	2876	3678	4700	5775	6565	7902	8708	9446
0463	1815	2968	3920	4762	5867	6904	7987	8735	9462
0614	1865	3013	4047	4819	5888	7038	8204	8880	9467
0679	1931	3141	4055	4831	5963	7417	8321	8907	9575
0807	2083	3186	4141	4978	6014	7490	8332	9006	9652

08:00 PM

Issued by : Director, Nagaland State Lotteries, Kohima

Watch Live Draw On :

nagalandlotteries.com/livedraw

* TDS 2% Applicable on Seller Prize Amount (Section 194G)

PLEASE CHECK THE RESULTS WITH RELEVENT OFFICIAL GOVERNMENT GAZATTE

बिष्णुपुर मेले में अभिनेता जीत के कार्यक्रम में हंगामा

बांकुड़ा। बांकुड़ा जिले के बिष्णुपुर में चल रहे मेले में शनिवार रात उस समय हालात बेकाबू हो गए, जब अभिनेता जीत के कार्यक्रम के दौरान भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भीड़ को नियंत्रित करने में पुलिस को भारी मशक्कत करनी पड़ी और हालात इतने बिगड़ गए कि पूरे कार्यक्रम स्थल पर अफरा-तफरी और तोड़फोड़ शुरू हो गई। 23 दिसंबर से बिष्णुपुर में शुरू हुआ यह मेला राढ़ बंगाल के कुटीर उद्योग, पर्यटन और सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। मेला शुरू होने के बाद शुरुआती दिनों में सब कुछ सामान्य रहा, लेकिन शनिवार रात तस्वीर पूरी तरह बदल गई। यदुभट्ट मंच पर अभिनेता जीत समेत अन्य कलाकारों के नृत्य-संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। तय कार्यक्रम के अनुसार रात करीब साढ़े आठ बजे मंच पर कार्यक्रम शुरू हुआ। कार्यक्रम देखने

के लिए न केवल बिष्णुपुर बल्कि पूरे बांकुड़ा जिले के अलग-अलग इलाकों से बड़ी संख्या में लोग मेले में पहुंचे। जैसे-जैसे कार्यक्रम आगे बढ़ता गया, भीड़ भी लगातार बढ़ती गई। हालात ऐसे बन गए कि पुलिस के लिए भीड़ को संभालना मुश्किल हो गया और धक्का-मुक्की शुरू हो गई।

पुलिस को करना पड़ा हल्का लाठीचार्ज

कुछ ही पलों में कार्यक्रम स्थल युद्ध क्षेत्र में तब्दील हो गया। उत्तेजित दर्शकों के एक हिस्से ने मंच के सामने लगे बैरिकेड तोड़ दिए। इसके साथ ही मंच के सामने रखी गई सैकड़ों कुर्सियों को तोड़कर तहस-नहस कर दिया गया। आरोप है कि वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं के लिए आरक्षित सीटों को भी नहीं बख्शा गया। इसके अलावा मेले में लगे कई दुकानों में भी तोड़फोड़ और लूटपाट की घटनाएं सामने आई हैं। मंच पर लगे कई बैनर और फ्लेक्स भी फाड़ दिए गए। स्थिति को काबू में करने के लिए पुलिस को हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा, लेकिन इससे नाराजगी और बढ़ गई। धक्का-मुक्की में कई दर्शकों के घायल होने की भी खबर है। पुलिस ने मौके से कुछ लोगों को अव्यवस्था फैलाने के आरोप में हिरासत में लिया, हालांकि बाद में उन्हें व्यक्तिगत बॉन्ड पर रिहा कर दिया गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला। एक स्थानीय निवासी ने कहा, ÷ऐसा लग रहा था जैसे जान ही चली जाएगी। परिवार के लोगों को सुरक्षित घर ले जाना मुश्किल हो गया था। हमें डर था कि हम वापस लौट पाएंगे या नहीं। पुलिस उस समय क्या कर रही थी, वह सिर्फ खड़ी होकर देखती रही।÷ हालांकि, मेला आयोजकों का दावा है कि इस अव्यवस्था के बावजूद मुख्य कार्यक्रम प्रभावित नहीं हुआ। अभिनेता जीत और अन्य कलाकार निर्धारित समय तक मंच पर प्रस्तुति देने के बाद सुरक्षित रूप से कार्यक्रम स्थल से रवाना हो गए। फिलहाल, प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा शुरू कर दी है ताकि मेले के आगामी दिनों में ऐसी स्थिति दोबारा न बने।

ईसीएल : खास काजोड़ा कोलियरी इलाके में भू-धंसान

दुर्गापुर । ईसीएल के खास काजोड़ा कोलियरी इलाका के निवासियों ने रविवार की सुबह कोलियरी से 50 से 100 मीटर दूर एक बड़ा गड्ढा देखा। तुरंत, यह खबर स्थानीय ईसीएल अधिकारियों तक पहुँची। स्थानीय लोग घबराकर अपने घर छोडने लगे। स्थानीय किसानों की खेती की ज़मीन का एक बड़ा हिस्सा भू-धसान की चपेट में आ गया है। खास काजोड़ा कोलियरी मैनेजर प्रभाकर कुमार पासवान मौके पर पहुँचे। उन्होंने कहा कि इस इलाके में एक बहुत पुरानी खदान थी, और ऐसा लगता है कि उस खदान की गहराई ज़्यादा नहीं थी और इसीलिए आज यह समस्या हुई है। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों

को दूसरी जगह ले जाने का इंतज़ाम किया जा रहा है। तृणमूल नेता विष्णुदेव नोनिया मौके पर पहुँचे, उन्होंने कहा कि ईसीएल की लापरवाही की वजह से ही इस इलाके में बारंबार भू-धसान की घटनाएँ सामने आ रही हैं। उन्होंने बार-बार ईसीएल अधिकारियों से इलाके में छाई और रेत की पैकिंग करने के लिए कहा है ताकि भू-धसान की समस्या का हमेशा के लिए हल हो सके, लेकिन अधिकारी इस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। उन्होंने यह भी सवाल किया कि ईसीएल अधिकारी इलाके में रहने वाले ईसीएल कर्मचारियों के लिए बेहतर घर देंगे, लेकिन उन गरीब लोगों के लिए क्या किया जाएगा जो 30-40 साल से इलाके में रह रहे हैं और खेती करके अपना गुज़ारा करते हैं?

तालाब में कीटनाशक डालने के आरोप में एक गिरफ्तार

पुरुलिया । पुरुलिया के पुंचा पुलिस ने एक तालाब में कीटनाशक डालने के आरोप में गौरांग सुंदर महतो नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर रविवार को पुरुलिया जिला न्यायालय में पेश किया गया । जहां से उसे जेल भेज दिया गया । गिरफ्तार व्यक्ति का नाम गौरांग सुंदर महतो दामोदरपुर गांव में रहता है। आरोपी ने स्वीकार किया है कि उसने तालाब में कीटनाशक डाले थे। तालाब में डाले गए कीटनाशकों के कारण उस तालाब की मछलियां खाने से कई लोग बीमार पड़ गए। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। बताया जाता है कि कुछ साल पहले गौरांग ने नापाड़ा पंचायत के दामोदरपुर गांव में सरकारी जमीन पर सिंचाई के लिए बुनालाबाद नाम का एक बड़ा तालाब खुदवाया था और मछली पालन के लिए उस तालाब को अपने कब्जे में ले लिया था। लेकिन कुछ महीने पहले उसका पट्टा समाप्त हो गया, जिसके बाद स्थानीय निवासियों ने पैसे इकट्ठा करके तालाब में मछलियां छोड़ दीं। पुलिस को संदेह है कि गौरांग ने गुस्से में आकर तालाब में कीटनाशक छोड़ दिए, जिसके कारण शुक्रवार सुबह कई मरी हुई मछलियाँ तैरने लगीं। कुछ लोगों ने उन मछलियों को खा लिया और उन्हें बाजार में बेचने चले गए। मछली खाने वाले सभी लोग बीमार पड़ गए। पुलिस की जांच के बाद ही उन्हें पूरी घटना का पता चला।

पश्चिम बर्दवान जिला बंगाल सरकारी कर्मचारी समिति की सभा

आसनसोल । आसनसोल जिला पुस्तकालय में पश्चिम बंगाल सरकारी कर्मचारी समिति के पश्चिम वर्धमान जिला कमेटी की तरफ से रविवार को सभा का आयोजन किया गया । सभा के बारे में पत्रकारों को जानकारी देते हुए पश्चिम बंगाल सरकारी कर्मचारी समिति के पश्चिम बर्दवान जिला संगठन के जिला सचिव उत्तम कुमार मांझी ने बताया कि आज आसनसोल जिला पुस्तकालय में संगठन के जिला कमेटी की तरफ से सभा का आयोजन किया गया है । यहां पर सभा में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए जाएंगे । उन्होंने बताया कि हर 2 साल में उनके संगठन के संविधान के अनुसार जिला स्तर पर इस तरह

की सभाओं का आयोजन करना होता है । इसके उपरांत 30 जनवरी से एक फरवरी तक जलपाईगुड़ी में संगठन का राज्य सम्मेलन होगा । उन्होंने बताया कि आज के इस सम्मेलन के दौरान कई महत्वपूर्ण फैसले लिए जाएंगे । अगले 2 सालों के लिए जिला कमेटी का गठन होगा। इसके अलावा जिला संपादक मंडली का भी गठन किया जाएगा । उन्होंने बताया कि आज के इस सभा के दौरान कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी । खासकर जिस तरह से राज्य में महिलाओं पर अत्याचार बढ़ रहे हैं । रोजगार के अवसर कम हो रहे हैं अस्थाई कर्मचारियों की नियुक्ति बढ़ रही है । ऐसे ही कई मुद्दों पर आज की सभा में चर्चा होगी और उनके समाधान ढूंढने के प्रयास किए जाएंगे ।

सड़क निर्माण के विरोध में लोगों ने किया पथावरोध

जामुड़िया । जर्जर सड़क निर्माण को लेकर आक्रोशित स्थानीय निवासीयो ने सड़क अवरोध किया । यह अवरोध आसनसोल नगर निगम के जामुडिया बोरों एक अन्तर्गत वार्ड संख्या सात इलाके में स्थित शेखपुर मोड़ पर किया गया । यह सड़क जामुडिया से चाकदोला मोड़ को जाने वाली मुख्य एक मात्र सड़क है । सड़क अवरोध के कारण सड़क के दोनों तरफ गाडियों की लम्बी कतार खड़ी हो गई । जिसके इस रास्ते पर से होकर गुरने वाले लोगों को काफी परेशानीयो का सामना करना पड़ा । जामुडिया औद्योगिक क्षेत्र से निकले वाले मालवाहक भारी वाहनों का आना-

जाना इसी मुख्य सड़क पर होती है। लेकिन जर्जर हुए सड़क का निर्माण वर्षों से नहीं होने के कारण आज आलम यह है कि जहां तहां इस पर गड्ढे हों जाने के कारण पथ दुर्घटना की संभावना अधिक बनी रहती है । लेकिन इसकी ओर किसी को कोई भी ध्यान ही नहीं है । यह औद्योगिक क्षेत्र वही क्षेत्र है जहां पर से आसनसोल नगर निगम को सबसे ज्यादा टैक्स प्राप्त होता है । लेकिन यह सड़क सालो पहले निर्माण तो हुआ । लेकिन उसके बाद इन्हें देखने वाला कोई भी नहीं है । इसी सड़क निर्माण को लेकर इसी ग्राम के आसपास रहने वाले लोगों ने पहले भी इसी शेखपुर मोड़ के ही पास सड़क अवरोध किया था । उस समय उन्हें यह आश्वासन दिया गया था इस जर्जर सड़क को जल्द से जल्द निर्माण कार्य होगा । लेकिन सालो बीत जाने के बाबजूद भी यह निर्माण नहीं होने पर गुस्साए स्थानीय ग्राम निवासीयो ने आज सुबह से ही सड़क अवरोध कर विरोध जताया। वही इसके बारे में पुछे जाने पर एक स्थानीय ग्राम निवासी कंचन पाल ने बताया कि जामुडिया से चाकदोला मोड़ को जाने वाली यही एक मात्र मुख्य सड़क है । आज इस सड़क की स्थिति इतनी जर्जर हो चुकी है कि आये दिनों सड़क दुघर्टना होती रहती है । इस सड़क से होकर स्कूल जाने वाले विधार्थियों को काफी परेशानीयो का सामना करना पड़ता है । यह लोगों को यातायात सुविधा हेतु बनाया गया था । लेकिन इस सड़क पर सभी समय कारखाना के ओभरलोड वाहन चलने के कारण आज इसकी स्थिति इस तरह से हो गई है । अगर इसे जल्द से जल्द नही बनाया गया तो आने वाले समय में बहुत बड़ी दुर्घटना हो सकती है । वही मौके पर जामुडिया थाना की पुलिस पहुंच कर लोगों को समझा बुझाकर घंटों बाद यह सड़क अवरोध हटाया गया ।

संस्थाओं के सहयोग से कम्बल वितरण

रानीगंज । रोटरी क्लब आफ रानीगंज के प्रांगण में रोटरी क्लब आफ रानीगंज ,इनर व्हील क्लब आफ रानीगंज और जागरण संस्था की तरफ से इस भीषण ठंड में समाज के कमजोर वर्गों के लिए कंबल वितरण का आयोजन किया गया । कंबल वितरण के दौरान इनरव्हील क्लब की अध्यक्षा अनीशा भुवालका दुबे ने कहा कि ठंड के मौसम में सड़कों किनारे पड़े मजबूर लोग ठंड की कहर से ठिठुरते रहते हैं । ऐसे वक्त में हम सभी का कर्तव्य उनकी मदद करना है । रोटरी के अध्यक्ष डॉ सुमित अग्रवाल ने कहा कि जागरण संस्था की तरफ से रोटरी क्लब और इनर व्हील क्लब के सहयोग द्वारा आज तकरीबन 100 कंबल का वितरण किया गया एवं अन्य 100 कंबल का वितरण लगातार अलग-अलग जगह पर किया जा रहा है । जागरण संस्था के संदीप भालोटीया ने बताया कि उनकी संस्था हर साल तकरीबन 200 कंबलो का समाज के कमजोर तबकों में कंबलो का वितरण रानीगंज की विभिन्न जगह पर करती रही है । कार्यक्रम के दौरान इनर व्हील क्लब की अध्यक्ष अनीशा भुवालका दुबे, स्वीटी लोहिया, मीनू अग्रवाल, रंजीता भालोटीया, अर्चना अग्रवाल प्रमुख रूप से मौजूद थे ।

दो वाहनों की टक्कर में पति-पत्नी घायल

सालानपुर । दो वाहनों की टक्कर में पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए । यह घटना शनिवार दोपहर सालनपुर पुलिस स्टेशन के बिहार रोड स्थित नाका चेक पोस्ट से सटे इलाके में हुई । घायल हुए दोनों लोगों के नाम गेब्रियल पप्पू कर्मकार और मैरी मोशी कर्मकार हैं । दोनों पति-पत्नी मेहिजाम के रहने वाले थे । स्थानीय सूत्रों के अनुसार पति-पत्नी जेमारी डंगाल पाड़ा में एक धार्मिक समारोह से घर लौट रहे थे । जब वे बिहार रोड पर रूपनारायणपुर नाका चेकपोस्ट के पास पहुंचे, तो मेहिजाम की तरफ से तेज रफ्तार से आ रही एक टाटा नेक्सन फोर-व्हीलर ने बाइक सवार की कार को टक्कर मार दी । जिससे वे दोनों सड़क के किनारे गिर गए और दोनों को गंभीर चोटें आईं । उनमें से एक के सिर में और दूसरे के दोनों पैरों में चोटें आईं । घटना के बाद, स्थानीय लोगों और पुलिस प्रशासन की मदद से दोनों को आसनसोल जिला अस्पताल ले जाया गया । जहां से डॉक्टरों ने उन्हें दुर्गापुर के एक निजी अस्पताल में भेज दिया । पता चला है कि दोनों की हालत गंभीर है । हालांकि, घटना के बाद फोर-व्हीलर का ड्राइवर भाग गया । लेकिन रूपनारायणपुर चौकी पुलिस ने कार को जब्त कर लिया है । परिवार वालों ने कार और ड्राइवर के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई है । उनकी मुख्य मांग है कि उन्हें मुआवजा दिया जाए । क्योंकि जिन लोगों के साथ यह घटना हुई है, उनके परिवार की स्थिति बहुत खराब है । इसलिए, परिवार को सूचित किया गया है कि जब तक उन्हें मुआवजा नहीं मिल जाता वे कार न छोड़ें ।

डंपर के पीछे टकराई मिनी बस, बाल-बाल बचे यात्री

जामुड़िया । राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 60 के चाकदोला मोड़ पर रविवार दोपहर को एक भीषण बस दुर्घटना घटी, जिसमें कई यात्री बाल-बाल बच गए। सूत्रों के अनुसार, रविवार दोपहर करीब 1 बजे एक मिनीबस पांडवेश्वर से रानीगंज की ओर बड़ी संख्या में यात्रियों को लेकर जा रही थी। उसी समय, एक मालवाहक डंपर भी बस के आगे धीमी गति से उसी दिशा में जा रहा था, तभी चाकदोला मोड़ के पास आईटीआई कॉलेज के नजदीक राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 60 पर अचानक डंपर ने ब्रेक लगा दिया। मिनीबस चालक राष्ट्रीय राजमार्ग पर डंपर के अचानक रुकने को समझ नहीं पाया और डंपर के पिछले हिस्से से टकरा गया। परिणामस्वरूप, मिनीबस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। बस चालक को मामूली चोटें आईं। बस चालक ने बताया कि बस यात्रियों से भरी हुई थी, लेकिन सौभाग्य से किसी को चोट नहीं आई। बस चालक के पैर में मामूली चोटें आईं और मिनीबस के आगे के हिस्से को काफी नुकसान पहुंचा। आगे उसने बताया कि चाकदोला मोड़ पर यात्रियों को बिठाने के बाद मैं रानीगंज की ओर जा रहा था, तभी मेरे सामने से एक डंपर ट्रक गुजर रहा था। अचानक, राष्ट्रीय राजमार्ग पर चाकदोला मोड़ पर आईटीआई कॉलेज के पास डंपर ने ज़ोर से ब्रेक लगाया। मुझे कुछ समझ पता इससे पहले ही मैंने डंपर के पीछे से टक्कर मार दिया। घटना की सूचना मिलते ही जामुडिया थाने की पुलिस और जामुडिया ट्रैफिक विभाग तुरंत मौके पर पहुंचे। बस में फंसे यात्रियों को निकालने और उन्हें दूसरी बस से उनके गंतव्य तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई। साथ ही, बस को राष्ट्रीय राजमार्ग से हटाने की भी व्यवस्था की गई।

जामुड़िया को संयोजक मिलने से भाजपा समर्थकों में खुशी

जामुड़िया । बृजमोहन पासवान को जामुडिया विधानसभा क्षेत्र का संयोजक नियुक्त किए जाने पर जामुडिया विधानसभा के भाजपा कार्यकर्ता में खुशी का माहौल है । इसे लेकर आसनसोल भाजपा जिला कार्यालय सहित जामुडिया विधानसभा के विभिन्न इलाकों में कार्यक्रम किए जा रहे हैं । समर्थक उन्हें बधाइयां तथा शुभकामनाएं दे रहे है । वही इसके बारे में नवनियुक्त संयोजक ब्रिजमोहन पासवान से बात करने पर उन्होंने ने बताया कि हमने 2012 में भाजपा के एक कार्यकर्ता के रूप में अपना योगदान दिया था । उस समय से लेकर हमने कड़ी मेहनत और लग्न के साथ भाजपा संगठन को मजबूत करने ओर आगे बढ़ाने के हमने अपने सहयोगियो के साथ दिन रात मेहनत कर पार्टी के लिए बेहतर कार्य किए है। उन्ही बेहतर कार्य को देखते हुए हमारे पार्टी के उच्च अधिकारियों ने पहले दो बार मंडल अध्यक्ष बनाया ओर ठीक 2026 विधानसभा चुनाव से पहले हमें यह जो कार्यभार सौंपा गया है । इसके लिए मैं उन्हें धन्यवाद देता हूं । जिस उम्मीद से हमें यह कार्यभार सौंपा गया उनके इस विश्वास को बरकरार रखते हुए इस संगठन को और भी आगे ओर मजबूत करने के लिए दिन रात कड़ी मेहनत कर इस विधानसभा क्षेत्र का दायित्व पालन करते हुए इस विधानसभा क्षेत्र से भाजपा को बड़ी जीत हासिल कराउंगा ओर हमारे भाजपा के लोगों को यह उपहार दूंगा ।

ठेका श्रमिकों के लिए बाह्य सुरक्षा इंडक्शन

कोडरमा । ठेका श्रमिकों के लिए बाह्य सुरक्षा इंडक्शन कार्यक्रम का आयोजन सुरक्षा प्रशिक्षण कक्ष, डीवीसी केटीपीएस में किया गया। इस इंटरैक्टिव प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 58 श्रमिकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया, जिसे सेव लाइफ ग्रुप ट्रस्ट, बोकारो के संजय सिन्हा द्वारा प्रभावी ढंग से संचालित किया गया। इस सत्र का उद्देश्य ठेका श्रमिकों के बीच सुरक्षा जागरूकता बढ़ाना एवं सुरक्षित कार्य प्रथाओं को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समन्वय टीम सेफ्टी, केटीपीएस द्वारा किया गया, जिसमें श्रीकांत सामंतो एवं भोला बर्मन शामिल थे।

रेलवे कर्मचारी के आवास का ताला तोड़कर चोरी

चित्तरंजन । चित्तरंजन शहर स्थित 34 स्ट्रीट के 40/ष्ठ आवास में बीते देर रात चोरो ने घर ताला तोड़ कर घर के अलमारी से आभूषण एवं नगदी की चोरी की घटना को अंजाम दिया । इस संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार आवास में रहने वाले रेल कर्मचारी अमित सोरेन बीते शनिवार किसी कार्य से बाहर गये थे । रविवार जब वे घर लौटे तो देखा की ताला तोड़कर उनके घर का सारा सामान चोरी हो गया । घटना की जानकारी मिलने के बाद चित्तरंजन आरपीएफ एवं चित्तरंजन पुलिस ने मोके पर पहुँच घटना कि जांच शुरू कर दी है । घर के मालिक के अनुसार अलमारी, दीवान, शोकेस और घर के अंदर का सारा समान बिखरा पड़ा है ।

गुरुद्वारा खालसा सिख संगत प्रांगण में गुरमत चेतना विंटर कैंप

जामुड़िया । गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों की शहादत को समर्पित दसवां गुरमत चेतना विंटर कैंप 2025 का आयोजन गुरमत लहर ऑर्गेनाइजेशन, पश्चिम बंगाल की ओर से शुरू हो गया है । यह कार्यक्रम गोविंद नगर गुरुद्वारा खालसा सिख संगत प्रांगण में आयोजित किया जा रहा है । गुरमत चेतना कैंप 28 दिसंबर से 31 दिसंबर 2025 तक चलेगा । रविवार को पहले दिन के कैंप में लगभग 300 बच्चों ने हिस्सा लिया । आयोजकों का कहना है कि आने वाले दिनों में यह संख्या और बढने की संभावना है । गुरमत लहर ऑर्गेनाइजेशन के सदस्य रविंद्र सिंह और मनजीत सिंह ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी बच्चों को उड़ा और जुड़ा जो गुरमत की शिक्षा, गुरुमुखी लिपि, अपनी विरासत और सिख संस्कृति से जोडने पर विशेष जोर दिया जा रहा है । चार दिवसीय इस कार्यक्रम में दुर्गापुर, कुमारडूबी, चितरंजन, जमुरिया, श्रीपुर, आसनसोल, बर्नपुर, आसनसोल रेलपार और गोविंद नगर सहित कई क्षेत्रों से बच्चे शामिल हुए हैं । कैंप से जुड़ी जानकारी देते हुए सदस्य सतनाम सिंह और जसवंत सिंह ने बताया कि बच्चों के लिए ट्रांसपोर्ट सुविधा उपलब्ध कराई गई है । जिसमें सिख संगतों का बड़ा सहयोग रहा । उनका कहना है कि मुख्य उद्देश्य बच्चों को सही दिशा देना, मानवता का पाठ और गुरु नानक साहिब जी की शिक्षा से जोडना है । ताकि बच्चे गलत संगत से दूर रहकर एक अच्छे नागरिक के रूप में समाज निर्माण में योगदान दे सकें तथा नशे जैसी बुराइयों से बचें । कैंप में बच्चों को दस्तार, दुमाला और पगड़ी बांधने की विशेष कला सिखाने के लिए इंटरनेशनल टर्बन कोच गुलाब सिंह विशेष रूप से पहुंचे हैं । वहीं पंजाब से गुरप्रीत सिंह, हरप्रीत सिंह और रनजोत सिंह बच्चों को गुरबाणी, सिख इतिहास और संस्कृति की शिक्षा दे रहे हैं । कार्यक्रम के दौरान बच्चे काफी उत्साहित और प्रेरित दिखाई दिए ।

रानीगंज में खुला भाजपा का विधानसभा कार्यालय

रानीगंज । आज रानिगंज के आनंदलोक अस्पताल के पास भाजपा विधानसभा कार्यलय का उद्घाटन किया गया। जहां पहले भाजपा कार्यकर्ता गोपाल पारीक ने पूजा कर के इसकी शुरुआत की। इस मौके पर देव तनु भट्टाचार्य ने अपने हाथ से फीता काट कर इस कार्यलय का उद्घाटन किया । राजेश मंडल ने देव तनु भट्टाचार्य को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया । इसके बाद कार्यकर्ताओं ने आगामी 2026 के चुनाव पर कुछ बातें रखी । इस मौके पर जयन्तु मिश्रा मंडल 1 अध्यक्ष समसेर सिंह, आशा शर्मा, दिनेश सोनी, मंडल 2, मंडल 3, मंडल 4 के सभी अध्यक्ष तथा रवि केशरी सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे । इस बारे में भाजपा जिला अध्यक्ष देव तनु भट्टाचार्य ने कहा कि 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा यहां से सिर्फ 3000 वोटो से हारे थे । रानीगंज के ग्रामीण क्षेत्रों में भाजपा कार्यकर्ता उस समय पहुंच नहीं पाए थे । इस वजह से रानीगंज विधानसभा में भाजपा की हार हुई

थी । लेकिन अब स्थिति पूरी तरह से बदल चुकी है । भाजपा का संगठन 2021 के मुकाबले कहीं ज्यादा मजबूत हुआ है । इस वजह से उन्हें पूरा भरोसा है कि रानीगंज विधानसभा सीट पर 2026 के विधानसभा चुनाव में जीत जरूर मिलेगी । उन्होंने कहा कि आज यहां पर विधानसभा के चुनाव कार्यालय का उद्घाटन किया गया । चुनाव से पहले इस तरह के चुनाव कार्यालय के उद्घाटन किए जाते हैं । ताकि चुनाव के दौरान पार्टी के गतिविधियों को संचालित किया जा सके । उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश के साथ-साथ रानीगंज विधानसभा इलाके में भी स्थानीय जनता परिवर्तन चाहती है और जनता के इस इच्छा को चरितार्थ करने के लिए भाजपा के हर कार्यकर्ता को दोगुना मेहनत करने की आवश्यकता है । उन्होंने भरोसा जताया कि आने वाले बंगाल विधानसभा चुनाव में रानीगंज से भाजपा की जीत अवश्यंभावी है । वही रानीगंज मंडल के पूर्व अध्यक्ष और जिला कमेटी सदस्य राजेश मंडल ने कहा कि आज पूरे पश्चिम बर्धमान जिले में रानीगंज विधानसभा क्षेत्र में भाजपा की तरफ से पहले विधानसभा चुनाव कार्यालय का उद्घाटन किया गया । उन्होंने कहा कि रानीगंज में भाजपा के समर्थन में लोग तैयार हैं । उन्होंने लोगों से अनुरोध किया कि आने वाले विधानसभा चुनाव में वह भाजपा को सेवा का अवसर प्रदान करें । क्योंकि रानीगंज में आज बुनियादी सुविधाओं का भारी अभाव है रानीगंज जो की एक ऐतिहासिक शहर है । आज बुनियादी सुविधाओं के अभाव में रो रहा है । लेकिन वर्तमान शासक को इसकी कोई चिंता नहीं है । उन्होंने साफ कहा कि इस बार अगर भारतीय जनता पार्टी बंगाल में सत्ता में नहीं आई तो बहुत जल्द पश्चिम बंगाल बांग्लादेश बन जाएगा । वहीं वर्तमान में एस आई आर की प्रक्रिया पर पूछे गए सवाल के जवाब में राजेश मंडल ने कहा कि इस प्रक्रिया से किसी को कोई परेशानी नहीं है । उन्होंने कहा कि दीपावली के समय जब हम अपने-अपने घरों के साफ-सफाई करते हैं तो हमें थोड़ी बहुत तकलीफ उठानी पड़ती है । लेकिन साफ सफाई के बाद घर की जो शोभा वृद्धि होती है उससे सारी तकलीफ दूर हो जाती है । उन्होंने कहा कि भारत से और बंगाल की शोभा वृद्धि के लिए यह साफ सफाई चल रही है । इसमें अगर जनता को थोड़ी तकलीफ हो भी रही है तो जनता इसे खुशी-खुशी बर्दाश्त करने को तैयार है । क्योंकि उन्हें पता है कि इससे आखिर में उनका ही लाभ होगा ।

संक्षिप्त समाचार

बेगूसराय में बालू लोडेड ट्रैक्टर ने बच्चे को रौंदा :घटनास्थल पर मौत

बेगूसराय, एजेंसी। बेगूसराय में 11 साल के बच्चे को बालू लोडेड ट्रैक्टर ने रौंद दिया। मौके पर ही मौत हो गई। घर से कोचिंग जाने के लिए निकला था। मृतक की पहचान मोहम्मद साबिर के पुत्र अयूब अयान के तौर पर हुई है। घटना तेघड़ा थाना क्षेत्र के बरौनी फ्लैग इमली टोला की है। हादसे की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित लोगों ने रोड जाम कर दिया। मौके पर डीएम और एसपी को बुलाने की मांग कर रहे हैं। सूचना मिलते ही तेघड़ा डीएसपी कृष्ण कुमार, सीओ रवि शंकर कुमार, बीडीओ राकेश कुमार और थानाध्यक्ष अमित कुमार मौके पर पहुंचे। आयन सुबह अपने घर से निकला था। गांव में ही कोचिंग पढ़ने के लिए जा रहा था। इसी दौरान घटकिंडी की ओर से बालू लेकर आ रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर में कुचल दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। सड़क जाम कर रहे लोगों का कहना है कि प्रशासन के सभी दावों के बावजूद यहां गंगा किनारे से व्हाइट बाले का लगातार अवैध खनन किया जाता है। नाबालिग ड्राइवर तेज रफ्तार से गाड़ी चलाते हैं। पुलिस दिनभर गश्त करती है, लेकिन अवैध खनन और नाबालिग ट्रैक्टर ड्राइवर पर कोई कार्रवाई नहीं करती है। इस पर रोक लगाने वाला कोई नहीं है।

नया साल में शराब तस्करी रोकने के लिए प्रशासन ने कसी कमर, चेकपोस्टों पर बढ़ाई गई चौकसी

भभुआ, एजेंसी। नए वर्ष 2026 के आगमन में अब कुछ ही दिन शेष हैं। नए वर्ष में शराब की तस्करी रोकने के लिए उत्पाद विभाग ने जिले की सभी सीमाओं पर बने चेकपोस्टों पर सख्ती बढ़ा दी है। 24 घंटे यूपी से बिहार में आने से वाले वाहनों की जांच की जा रही है। उत्पाद विभाग द्वारा जांच में शराब भी बरामद की जा रही है और तस्करों को गिरफ्तार भी किया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार एक से 25 दिसबंर तक की गई कार्रवाई के दौरान 252 शराब पीने व 59 शराब बेचने वाले लोग गिरफ्तार किए गए। इस संबंध में उत्पाद अधीक्षक गौतम कुमार ने बताया कि राज्य में एक अप्रैल 2016 से शराबबंदी पूरी तरह से लागू है। उत्पाद विभाग शराबबंदी के अनुपालन को लेकर पूरी तरह से सतर्क व सजग है। शराब बेचने व पीने वाले लोगों पर निगरानी करने के लिए जिले में पांच सीमावर्ती क्षेत्रों में चेक पोस्ट बनाए गए है। जहां पर सतत निगरानी की जा रही है। उन्होंने बताया कि समेकित जांच चौकी मोहनियां, समेकित जांच चौकी चकिया, समेकित जांच चौकी ककरैत, समेकित जांच चौकी बड़ौरा, समेकित जांच चौकी अखिनी चेकपोस्ट बनाए गए है। उत्पाद अधीक्षक ने बताया एक दिसबंर से 25 दिसबंर तक कार्रवाई के क्रम में शराब पीने के मामले में समेकित जांच चौकी मोहनियां के पास 202, चकिया के पास 20, ककरैत के पास 13, बड़ौरा के पास 11, अखिनी चेकपोस्ट के पास छह लोगों की गिरफ्तारी की गई है, जबकि 59 लोगों को शराब बेचने के मामले में गिरफ्तार किया है, जिसमें समेकित जांच चौकी मोहनियां के पास 31, चकिया के पास आठ, ककरैत के पास 12, बड़ौरा के पास तीन व अखिनी चेक पोस्ट के पास पांच लोग शामिल हैं। इस दौरान मोहनियां में 233, चकिया में 28, ककरैत में 25, बड़ौरा में 14, अखिनी चेक पोस्ट में 11 गिरफ्तारी हुई है। जांच के दौरान कुल 34 वाहनों को जब्त किया गया। जिसमें समेकित जांच चौकी मोहनियां में 15, चकिया में 5, ककरैत में 7, बड़ौरा में 3, अखिनी चेकपोस्ट में 4 वाहन जब्त किए गए।

बिहार को मार्च 2026 तक मिलेंगे 7 नए एसटीपी :अब गंगा में नहीं जाएगा गंदा पानी

पटना, एजेंसी। पटना सहित राज्य के प्रमुख शहरों में घरों और इमारतों से निकलने वाले गंदे पानी का ट्रीटमेंट अप्रैल महीने से शुरू किया जाएगा। बिहार को अगले साल मार्च 2026 तक 7 नए एसटीपी मिलेंगे। इन्हें मार्च तक पूरी तरह से तैयार कर लिया जाएगा। हाजीपुर, कहलगांव, डेहरी, बड़हिया, सुपौल, दाउदनगर और जमुई में एसटीपी के संचालन के बाद करीब 90.6 एमएलडी क्षमता तक सीवेज का ट्रीटमेंट संभव होगा। अभी राज्यभर में कुल 13 एसटीपी बनकर तैयार हो चुके हैं। इसमें बेउर, करमलीचक, सैदपुर, पहाड़ी, मुंगेर, बाढ़, सोनपुर, सुल्तानगंज, छपरा, मनेर, दानापुर, फुलवारीशरीफ और पहाड़ी शामिल हैं। इनमें से 10 एसटीपी सिर्फ पटना जिले में स्थापित किए गए हैं। इन एसटीपी के माध्यम से शहरी क्षेत्रों और बाहरी इलाकों से निकलने वाले गंदे पानी का उपचार कर उसे गंगा में छोड़ा जा रहा है। वहीं, सात स्त्रक्त अभी ट्रायल रन स्टेज में हैं, जिनमें से पांच पटना जिले में स्थित हैं।

बिहार में लापता महिला कृषि अधिकारी बख्तियारपुर में ही मिलीं, पुलिस करेगी पूछताछ

पटना, एजेंसी। बिहार में लापता कृषि अधिकारी अर्यमा दीप्ति बख्तियारपुर से मिली हैं। लापता होने के दौरान अर्यमा दीप्ति कहां थीं अभी इसके बारे में पता नहीं चल पाया है। बताया जा रहा है कि पुलिस अब अर्यमा दीप्ति से जल्द ही पूछताछ कर सकती है। आपको बता दें कि अथमलगोला के कृषि विभाग में ब्लॉक टेक्नोलॉजी मैनेजर (बीटीएम) के पद पर कार्यरत महिला अर्यमा दीप्ति शुक्रवार को संदिग्ध परिस्थिति में लापता हो गई थी। वह कंकड़बाग के विजय नगर की रहने वाली है। 23 दिनों पहले उसकी शादी पटना के चार्टर्ड अकाउंटेंट शुभम कुमार से हुई है।

इस मामले में शनिवार को पति शुभम कुमार ने बख्तियारपुर थाने में गुमशुदगी शिकायत दर्ज कराई थी। बताया जाता है कि अथमलगोला कार्यालय से शुक्रवार दोपहर बाद वह ऑटो से बख्तियारपुर के लिए निकली, लेकिन वह अपने आवास पर नहीं पहुंची थीं। उन्होंने बख्तियारपुर जंक्शन के समीप कमरा ले रखा है। परिजनों के मुताबिक शुक्रवार शाम करीब चार बजे जब वह ऑटो से बख्तियारपुर के लिए निकली थीं।

उसी समय फोन पर भाई से महिला अधिकारी से बात हुई थी। बातचीत के दौरान उन्होंने कहा था कि उनके मोबाइल की बैट्री खत्म हो रही है, इसलिए घर पहुंचकर बात करते हैं। इसके बाद उनका मोबाइल फोन बंद हो गया था। देर रात तक जब वह घर नहीं पहुंचीं तो परिजनों ने काफी तलाश की। लेकिन कोई अता-पता नहीं चला था। अब बख्तियारपुर में ही अर्यमा दीप्ति मिली हैं।

पति ने ऑफिस छोड़ा पर अर्यमा दफ्तर गई ही नहीं : 26 दिसंबर की सुबह अर्यमा दीप्ति रोज की तरह तैयार होकर ड्यूटी पर जाने की तैयारी में थीं। पति शुभम ने उन्हें घर से ऑफिस के लिए छोड़ा। यह बात अब जांच का अहम हिस्सा बना। पति के मुताबिक, वो अर्यमा को लेकर सुबह घर से निकले और रास्ते में छोड़ दिया। उस वक्त किसी तरह की कोई बहस या बातचीत नहीं हुई। अर्यमा शांत थीं और रोज की तरह ड्यूटी की बात कर रही थीं। रास्ते में छोड़ने के बाद शुभम अपने काम पर चले गए, लेकिन ऑफिस के रिकॉर्ड और सहकर्मियों के बयान के मुताबिक, अर्यमा उस दिन ऑफिस पहुंचीं ही नहीं। न उन्होंने अटेंडेंस दर्ज कराई, न किसी मीटिंग या काम में शामिल हुई।

दोपहर 2 बजे बात हुई, बोलीं- घर पर हूं : अर्यमा किराए का कमरा लेकर बख्तियारपुर में रहती थी। शुक्रवार दोपहर करीब 2 बजे पति से बातचीत हुई थी। अर्यमा ने कहा था कि ऑफिस के काम से घर आई हूं। इसके बाद लगभग दो घंटे बाद उसके गायब होने की कहानी शुरू हुई। अर्यमा की करीब 4 बजे भाई से आखिरी बातचीत हुई। बातचीत छोटी थी, किसी खतरे का संकेत नहीं था। उसने भाई को भी कहा कि घर पर हूं, लेकिन उसके बाद उनका संपर्क टूट जाता है। कॉल नहीं लगती, मैसेज का जवाब नहीं मिलता। परिवार पहले इसे नेटवर्क या व्यस्तता मानता है, लेकिन समय बीतने के साथ चिंता बढ़ती है। किराए के कमरे के आसपास पूछताछ होती है। ऑफिस से जानकारी ली जाती है। कोई ठोस सुराग नहीं मिलता है। यहीं से मामला संदिग्ध हो जाता है।

शाम के बाद मोबाइल ट्रेस और लोकेशन बदला : शाम होते-होते पति गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराते हैं। पुलिस सीडीआर खंगालती है। इसी दौरान एक अहम तथ्य सामने आता है लापता होने के बाद शनिवार सुबह के वक्त मोबाइल एक बार ऑन हुआ। सीडीआर और लोकेशन डेटा से पता चलता है कि शुक्रवार को अर्यमा की आखिरी लोकेशन उस्मानपुर (अथमलगोला) में थी। इसके बाद सुबह फतुहा की लोकेशन मिलती है।

लोकेशन का बदलना संकेत देता है कि या तो अर्यमा मूवमेंट में थीं या फोन किसी और के पास था। पुलिस अब उन रास्तों, संभावित पिक-अप पॉइंट्स और संपर्कों पर फोकस कर रही है, जो उस्मानपुर से फतुहा तक की कड़ी जोड़ते हैं। इसी कड़ी में एक कॉल नंबर सामने आया है, जिस पर आखिरी बातचीत हुई। पुलिस उसी नंबर से लोकेशन ट्रेस करने लगी। पुलिस के अनुसार ये आखिरी बातचीत किसी लड़के से हुई थी। संभवतः ये लड़का या तो अर्यमा से मिलने आया था या उसे रिसीव करने।

शादी से हनीमून और लौटने तक: 20 दिन का सफर : अर्यमा दीप्ति की शादी 4 दिसंबर को हुई थी। यह पूरी तरह अरेंज मैरिज थी। दोनों परिवारों की सहमति से शादी हुई थी। शादी पटना के बजाय बेगूसराय में हुई। शादी के बाद अर्यमा और उनके पति नेपाल हनीमून पर गए। परिवार के अनुसार, यह ट्रिप पूर्व-निर्धारित थी। दोनों कुछ दिन वहां रुके। फोटो और बातचीत से कोई तनाव सामने नहीं आया। 20 दिसंबर के आसपास वे नेपाल से लौटे। लौटते ही अर्यमा ने ड्यूटी जॉइन की। बख्तियारपुर में तैनाती संभाली। सहकर्मी बताते हैं कि वह काम पर फोकस्ड थीं। समय पर आती-जाती थीं। परिवार का कहना है कि शादी और हनीमून के बाद उनके व्यवहार में कोई असामान्य बदलाव नहीं दिखा। वह करियर को लेकर स्पष्ट थीं। यही वजह है कि 26 दिसंबर को अचानक लापता होना सबके लिए चौंकाने वाला है।

डिप्टी सीएम का मॉडल अधिकारियों को पसंद नहीं, कहा- अपमान हो रहा, विजय सिन्हा बोले- गलत बर्दाश्त नहीं

पटना, एजेंसी। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की नई सरकार बनने के बाद डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की कमान संभाली। कमान संभालते ही उन्होंने उन्होंने जनसंवाद मॉडल लाने का निर्देश दिया। वह पटना समेत कुछ जिलों में जनसंवाद का आयोजन भी कर चुके हैं। अब इसी जनसंवाद मॉडल का विरोध राजस्व अधिकारियों ने सामूहिक रूप से कर दिया है। बिहार राजस्व सेवा संघ (बिरसा) की ओर से मुख्यमंत्री नीतीश् कुमार को पत्र लिखा गया। इसमें स्पष्ट लिखा गया कि लगातार सार्वजनिक अपमान से न केवल अधिकारियों का मनोबल टूटेगा, बल्कि प्रशासन की प्रभावशीलता भी समास हो जाएगी। यह स्थिति अंततः राज्य सरकार एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए घातक सिद्ध होगी। इसलिए इस पर फौरन लगाम लगाया जाए।

वहीं डिप्टी सीएम ने स्पष्ट कहा है कि मैंने किसी को गाली नहीं दिया। किसी को अपमानित नहीं किया। जनता के सामने समस्या का समाधान निकाला जा रहा है। जनता की परेशानी को कम करने के लिए यह प्रयास किया जा रहा है। विभाग में कुछ लोग सुधार नहीं चाहते हैं। अब जो भी लापरवाही करेंगे, उनपर कार्रवाई तो होगी ही। भूमाफियों का राज नहीं चलेगा। जनता से ऊपर कोई नहीं है। जमीन से जुड़ी कई शिकायत जनता की ओर से सामने आई है।

मुजफ्फरपुर के न्यू गांधी नगर में मेन रोड पर अतिक्रमण

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर जिले में अतिक्रमण के खिलाफ जिला प्रशासन की कार्रवाई लगातार जारी है, लेकिन अहियापुर थाना क्षेत्र के न्यू गांधी नगर मोहल्ले में हालात इससे अलग है। यहां मोहल्ले की मुख्य सड़क पर दोनों तरफ से अतिक्रमण कर लिया गया है। जिससे आम लोगों को रोजाना भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। शनिवार सुबह स्थानीय लोगों का गुस्सा उस फूट पड़ा। संकरी सड़क के कारण बार-बार जाम की स्थिति बनी रहती है। विरोध में बड़ी संख्या में लोग सड़क पर जमा हो गए। अतिक्रमण कर रहे लोगों के खिलाफ जमकर विरोध जताया। लोगों का कहना है कि कागजों में 15 फीट चौड़ी सड़क दोनों तरफ से कब्जे के कारण अब महज 9 फीट रह गई है। हंगामे की सूचना मिलने पर डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची। लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया। मौके पर मौजूद 112 टीम के दरोगा संजय कुमार ने अतिक्रमणकारियों तत्काल सड़क से अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया। स्थानीय लोगों के मुताबिक न्यू गांधी नगर मोहल्ले की आबादी करीब 50 हजार है। मुख्य सड़क संकरी होने से पैदल चलने वालों, बाइक सवारों और चार पहिया वाहनों को एक साथ निकलने में परेशानी होती है।

केजीएमयू में धर्मांतरण का प्रयास - यौन उत्पीड़न की जांच कर रही समिति में कोई महिला नहीं

लखनऊ , एजेंसी। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में महिला के धर्मांतरण के प्रयास मामले में बनी जांच समिति पर सवाल खड़े किए गए हैं। नेशनल मेडिकल ऑर्गेनाइजेशन (एनएमओ) ने जांच समिति में किसी महिला को शामिल न करने पर आपत्ति जताई है। एनएमओ के महानगर संयोजक डॉ. शिवम कृष्णन ने आरोप लगाया कि जांच के नाम पर खानापूरी की तैयारी है। आरोप है कि समिति को धर्मांतरण के साथ ही यौन उत्पीड़न मामले की जांच करनी है, लेकिन इसमें एक भी महिला नहीं है। केजीएमयू प्रशासन ने इस मामले में बृहस्पतिवार को पांच सदस्यीय जांच कमेटी गठित की थी।

इसमें रेस्पिरेटरी मेडिसिन, गैस्ट्रो मेडिसिन विभाग के चिकित्सक और एक सर्जन शामिल हैं। इनके पास इलाज का तो अनुभव है, लेकिन इस तरह के संवेदनशील प्रकरण की जांच का कोई अनुभव नहीं है। ऐसे में जांच भटक सकती है। एनएमओ ने इसके साथ ही समिति के सभी सदस्यों के केजीएमयू में अहम पदों पर होने को लेकर भी सवाल उठाया है। इससे जांच प्रभावित हो सकती है। केजीएमयू प्रशासन के अधिकारी होने से छात्र और कर्मचारी कभी भी स्वतंत्र रूप से अपना बयान नहीं दे पाएंगे। ऐसे में प्रदेश सरकार को एटीएस या एसटीएफ से इस संवेदनशील मामले की जांच करानी चाहिए।

एनएमओ और मेडिकल छात्रों ने निकाला कैंडल मार्च – धर्मांतरण के प्रयास मामले में शनिवार को 1090 चौराहे के पास शाम को बड़ी संख्या में एनएमओ के पदाधिकारी व मेडिकल छात्रों ने कैंडल मार्च निकाला। प्रदर्शन में शामिल डॉ. अभिषेक पांडेय के मुताबिक, केजीएमयू का दुनिया भर में नाम है। इस तरह की घटनाओं से संस्थान की साख को धक्का लगा है। इस घटना में शामिल लोगों पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

डॉ. तावि‍षि मिश्रा के मुताबिक, पूरी घटना में केजीएमयू प्रशासन की लापरवाही उजागर हो रही है। एक महिला के लिए कमेटी गठित की गई और उसमें कोई महिला ही नहीं है। यह संवेदनहीनता है। यह सिर्फ डॉक्टर ही नहीं, बल्कि इंसानियत और न्याय की बात है। इसी मामले में नेशनल मेडिकल ऑर्गेनाइजेशन व आम नागरिक के बैनर तले विभिन्न अस्पताल के चिकित्सकों, मेडिकल छात्रों अधिवक्ताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और एसिड पीड़िताओं ने प्रदेश भर में कैंडल मार्च निकाला।

जलते चूल्हे में गिरी पांच साल की मासूम मौत, आग तापते समय हुआ हादसा

मूक-बधिर और दिव्यांग मामा बना असहाय

कन्नौज , एजेंसी। कन्नौज जिले के गुरसहायगंज थाना क्षेत्र में आग में गिरी पांच साल की ब'ची की मामा के सामने ही जलकर मौत हो गई। मामा की दिव्यांगता आज अभिशाप बन गई। वह मूक-बधिर होने के साथ दिव्यांग भी है, भांजी को आंखों से जलता देखता रहा, लेकिन उसे बचा नहीं सका। इस घटना ने सभी को हिलाकर रख दिया। नगर के मोहल्ला गोपाल नगर में आग तापते समय मासूम चूल्हे में गिरकर जिंदा जल गई और पास में बैठा उसका मामा असहाय बना रहा, जबकि मामा की गोद और मौत में एक कदम का फासला था।

कस्बा के जीटी रोड स्थित मोहल्ला गोपाल नगर स्थित टीबी अस्पताल गेट के पास सुशीला देवी दिवाकर अपने परिवार के साथ रहती हैं। उनके साथ उनकी विवाहित बेटी शिवानी और पांच वर्षीय नातिन प्राची भी रहती थी। शनिवार शाम करीब साढ़े चार बजे प्राची चूल्हे के पास आग तापने बैठी थी। उसी दौरान अचानक वह सीधे चूल्हे की जलती आग में गिर पड़ी। कुछ ही क्षणों में आग की लपटों ने उसे पूरी तरह अपनी चपेट में ले लिया।

उस समय प्राची का मामा सूरज भी वहीं बैठा था, लेकिन वह मूक-बधिर और हाथ-पैरों से दिव्यांग होने के कारण न तो उसे बचाने की स्थिति में था। और न ही किसी को आवाज देकर सूचित कर सका। आग लगने के कुछ ही समय बाद जब मां शिवानी और नानी सुशीला लौटकर घर पहुंचीं, तो उन्होंने बेटी की जली हुई लाश देख चीख-पुकार मच गई। पड़ोसी भी शोर सुनकर मौके पर जुट गए, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

प्राची अपने माता-पिता की इकलौती संतान थी। उसकी मां शिवानी अपनी मां के घर गोपाल नगर में रहती है, जबकि पिता अंकित इटावा के वैशाली घाट क्षेत्र में रहते हैं। हादसे की सूचना मिलते ही पिता अंकित को भी गहरा सदमा पहुंचा। परिवार में मातम का माहौल है। मासूम की मौत ने लोगों को हिलाकर रख दिया है।

कोहरे की वजह से प्रदेश के कई जिलों में दृश्यता हुई शून्य, इटावा रहा सूबे में सबसे ठंडा : पूर्वानुमान जारी

लखनऊ , एजेंसी। प्रदेश में कोहरे के साथ ठंड का असर जारी है। सबसे 'यादा असर तराई क्षेत्र में दिखाई दे रहा है। शनिवार सुबह कई जिलों में काफी घना कोहरा होने की वजह से शून्य दृश्यता दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को भी ऐसा ही मौसम रहने के आसार हैं। आमतौर पर मौसम शुष्क रहेगा। आंचलिक मौसम विज्ञान के वैज्ञानिक मोहम्मद दानिश ने बताया कि शनिवार सुबह शाहजहांपुर, बरेली, अलीगढ़, मुरादाबाद, प्रयागराज और कुशीनगर में काफी घना कोहरा रहा और दृश्यत शून्य दर्ज की गई। वहीं मेरठ, हरदोई, बहराइच और बलिया जिलों में 50 मीटर से कम दृश्यता दर्ज की गई। शनिवार को इटावा में न्यूनतम तापमान सबसे कम 6.2 डिग्री दर्ज किया गया। बाराबंकी और चुर्क में 7 डिग्री, आगरा में 7.1 डिग्री दर्ज किया गया। राजधानी लखनऊ में न्यूनतत तापमान 10.8 डिग्री दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि अभी दो दिन तक ऐसा ही मौसम रहने के आसार हैं। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार, रविवार को भी प्रदेश के कई जिलों में घना से बहुत घना कोहरा होने के आसार हैं। तराई और दिल्ली एनसीआर में भी ऐसी ही स्थितियां रहेंगी। उन्होंने कहा कि दो दिन बाद से जहां जहां बादल हैं वे छंटेंगे और कोहरे में कमी आएगी। इसके साथ ही तापमान में भी दो दिन बाद धीरे-धीरे बढ़ोतरी के आसार हैं। राजधानी लखनऊ में अधिकतम तापमान 18 और न्यूनतम 10.8 डिग्री रहा।

राजकीय आईटीआई में अब अल्पकालीन कोर्स भी होंगे शुरू

लखनऊ , एजेंसी। राजकीय आईटीआई में नियमित के साथ अब अल्पकालीन कोर्स शुरू होंगे। कौशल विकास विभाग के सहयोग से शुरू किए जा रहे इन कोर्स में विद्यार्थियों को कंपनी की मांग के अनुसार प्रशिक्षण दिया जाएगा। इन पाठ्यक्रमों में हाईस्कूल, इंटरमीडिएट के साथ स्नातक तक के विद्यार्थियों को प्रवेश मिलेगा। अलीगंज राजकीय आईटीआई के प्रधानाचार्य राजकुमार यादव ने बताया कि कौशल विकास विभाग की मदद से संस्थान में नए सत्र से प्लंबर और आईटी विषय में अल्पकालीन पाठ्यक्रम की शुरुआत होगी। ये दोनों पाठ्यक्रम कंपनी के मानक और आधुनिक तकनीक आधारित होगी। जिसमें प्रशिक्षण लेने के बाद विद्यार्थियों को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिल सकेगा। दोनों नए पाठ्यक्रमों के संचालन पर विभाग को प्रस्ताव भी भेज दिया गया है। प्रधानाचार्य राजकुमार यादव ने बताया कि टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (टीटीएल) के सहयोग से परिसर में 11 आधुनिक कोर्स शुरू करने का प्रस्ताव है। इनमें करीब पांच पाठ्यक्रमों में पढ़ाई भी शुरू हो गई है। भविष्य में अन्य पाठ्यक्रम को शुरू किया जाएगा। आईटीआई विद्यार्थियों को कंपनी के मानक पर प्रशिक्षण मिले इसके लिए टीटीएल में ट्रेनिंग का अवसर दिया जाएगा।

Registered No. KOL. RMS/350/2015-17
खबरों की नई पहचान
भारतमित्र

कोलकाता में फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल 2025 के अंतिम संस्करण में जुटे ओलंपियन और खेल प्रेमी

कोलकाता । भारतीय तीरंदाजी की स्टार जोड़ी ओलंपियन दीपिका कुमारी और उनके पति अतनु दास सहित बंगाल के अन्य ओलंपियन और अर्जुन अवॉर्डी खिलाड़ियों ने रविवार को स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) के कोलकाता रीजनल सेंटर में आयोजित विशेष आयोजन में शिरकत की।

यह आयोजन फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल का 2025 का अंतिम संस्करण था। साल के अंत में आयोजित यह विशेष संस्करण फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल का 54वां एडिशन था, जिसे एक भव्य माहौल में मनाया गया।

इस अवसर पर साई कोलकाता सेंटर में लगभग 1,500 लोगों की भागीदारी देखने को मिली। कार्यक्रम में एथलीटों, कॉर्पोरेट पेशेवर, छात्रों, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों, बीमा कंपनी के कर्मचारियों (जो इस संस्करण के विशेष भागीदार थे) और सभी आयु वर्ग के नागरिकों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

इस भव्य साइकिल रैली को ओलंपियन और अर्जुन अवॉर्ड विजेता दीपिका कुमारी, जॉयदीप कर्माकर और मंगल सिंह चंपिया ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस मौके पर दीपिका कुमारी ने रोजाना फिटनेस के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि एनर्जी और ताकत सिर्फ खेल के लिए ही नहीं, बल्कि निजी जिंदगी के लिए भी जरूरी है।

हमें यह हर दिन करना है और मुझे यह देखकर बहुत खुशी हो रही है कि आज 1500 से ज्यादा लोग इसमें शामिल हुए हैं।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने 2025 में जीते दो महत्वपूर्ण पदक

नई दिल्ली । भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने 2025 को एक बेहद सफल वर्ष के रूप में समाप्त किया। इस वर्ष जूनियर टीम ने ने सिर्फ मजबूत प्रदर्शन किया, बल्कि दो प्रमुख पदक (रजत और कांस्य) भी हासिल किए। इस वर्ष सफल अभियान की नींव टीम के कोच पीआर श्रीजेश के मार्गदर्शन में पूरे वर्ष आयोजित गहन राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविरों की एक श्रृंखला के माध्यम से रखी गई थी। इन शिविरों के माध्यम से कोच ने एक टीम का गठन किया और खिलाड़ियों को इस साल के अंत में तमिलनाडु में हुए हुए हॉकी जूनियर विश्व कप 2025 की ओर बढ़ते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार किया। भारत की प्रतिस्पर्धी तैयारियों की शुरुआत जून में हुए फोर नेशंस टूर्नामेंट से हुई, जिसने यूरोपीय देशों की मजबूत टीमों के खिलाफ एक महत्वपूर्ण तैयारी का मौका दिया। मेजबान जर्मनी, स्पेन और ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीमों का सामना करते हुए भारतीय जूनियर टीम ने अपनी रणनीति का परीक्षण किया और टूर्नामेंट में तीसरा स्थान हासिल किया। तीसरे/चौथे स्थान के मैच में ऑस्ट्रेलिया पर 2-1 की महत्वपूर्ण जीत दर्ज की। इस टूर्नामेंट ने टीम को बहुमूल्य मैच अनुभव और रणनीति संयोजनों को लेकर स्पष्टता प्रदान की, जिससे टीम ने विश्व कप की तैयारियों को जारी रखा। सुल्तान ऑफ जोहोर कप में जीता रजतइसके बाद टीम ने इस लय और सीख को अक्टूबर में आयोजित सुल्तान ऑफ जोहोर कप 2025 में बरकरार रखा, जहां भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता।

टीम ने ग्रेट ब्रिटेन, न्यूजीलैंड और मलेशिया पर महत्वपूर्ण जीत दर्ज की और पाकिस्तान के खिलाफ 3-3 से ड्रॉ खेला। लीग चरण में अच्छे प्रदर्शन के बाद टीम फाइनल में पहुंची।

हालांकि फाइनल मुकाबले में भारत ने 59वें मिनट में एक दुर्भाग्यपूर्ण गोल खा लिया और ऑस्ट्रेलिया से 1-2 से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा। हॉकी जूनियर विश्व कप में हासिल किया कांस्य पदक सभी तैयारियों के दम पर टीम ने तमिलनाडु में आयोजित एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2025 में भाग लिया, जहां जूनियर टीम ने घरेलू मैदान पर एक यादगार प्रदर्शन किया।

भारत ने पूल चरण में चिली, ओमान और स्विट्जरलैंड पर तीन आसान जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की और नॉकआउट राउंड में प्रवेश किया।क्वार्टर फाइनल निर्णायक साबित हुआ, क्योंकि भारतीय टीम ने धैर्य बनाए रखते हुए शूटआउट में बेल्जियम को 4-3 से हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली।

गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह ने शूटआउट में दो महत्वपूर्ण बचाव करके शानदार कौशल और साहस का परिचय दिया और भारत को टूर्नामेंट में आगे बढ़ने में मदद की।

दुर्भाग्यवश, भारतीय टीम सेमीफाइनल में जर्मनी से 1-5 से हार गई, लेकिन तीसरे/चौथे स्थान के प्लेऑफ में उसने दृढ़ निश्चय दिखाया और अर्जेंटीना के खिलाफ अविश्वसनीय वापसी करते हुए कांस्य पदक हासिल किया।

महत्वपूर्ण मौकों पर खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जैसे-जैसे साल आगे बढ़ा, भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम एक स्थिर और आत्मविश्वासी इकाई के रूप में उभर कर सामने आई, जिसमें कई खिलाड़ियों ने महत्वपूर्ण मौकों पर शानदार प्रदर्शन किया।

धर्मशाला साइकिल राइड के 10 किलोमीटर वर्ग में आकाश वर्मा और भाग्यश्री विजेता

धर्मशाला । कांगड़ा वैली कार्निवाल के तहत धर्मशाला में आयोजित साइकिल राइड प्रतियोगिता में 10 किलोमीटर के पुरुष वर्ग में आकाश वर्मा पहले वैभव कपूर दूसरे तथा आरव कपूर तीसरे स्थान पर रहे जबकि महिला वर्ग में भाग्यश्री खांका पहले स्थान पर रहीं। इसी तरह साइकिल राइड की 20 किलोमीटर वर्ग की प्रतिस्पर्धा में पुरुष वर्ग में वेंकटेशन पहले, विशाल शर्मा दूसरे और सात्विक बस्ता तीसरे स्थान पर रहे जबकि महिला वर्ग में सुनीता पहले, आश्मिता दूसरे और मुस्कान तीसरे स्थान पर रहीं।

अलग-अलग तरीकों से टीम में योगदान देकर अच्छा लग रहा है : ट्रेविस हेड

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने इंग्लैंड के खिलाफ जारी एशेज टेस्ट श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन पर प्रसन्नता जाहिर की है। उन्होंने कहा है कि सिडनी में पांचवें टेस्ट में सलामी बल्लेबाज के रूप में अपनी भूमिका जारी रखने में उन्हें खुशी है। उन्होंने कहा कि टीम में अलग-अलग तरीकों से योगदान देकर अच्छा लग रहा है। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की एशेज श्रृंखला खेली जा रही। मेजबान ऑस्ट्रेलिया श्रृंखला में 3-1 से आगे है। श्रृंखला का पांचवां एवं अंतिम टेस्ट मैच सिडनी में चार जनवरी से खेला जाएगा। श्रृंखला में शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी कर रहे हेड ऑस्ट्रेलिया के लिए एक शानदार खिलाड़ी साबित हुए हैं। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने चार मैचों की आठ पारियों में दो शतक के साथ 437 रन बनाकर सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। हेड ने ऑस्ट्रेलियाई टीम में नंबर 5 पर बल्लेबाजी करते हुए अपनी छाप छोड़ी, लेकिन 31 वर्षीय खिलाड़ी ने संकेत दिया कि अगर टीम के हित में हो तो वह बल्लेबाजी क्रम में शीर्ष पर बने रहने के इच्छुक हैं। हेड ने रविवार को मेलबर्न में कहा, %%मुझे शीर्ष पर रहकर अच्छा लग रहा है। मैं अच्छी बल्लेबाजी कर रहा हूं। मुझे लगता है कि मैं गेंद को सही जगह पर पहुंचा रहा हूं। विभिन्न तरीकों से योगदान दे पाना सुखद है।%% हालांकि एशेज के पहले चार मैचों में कई खिलाड़ियों द्वारा कम स्कोर बनाने के बाद उनके कुछ साथियों के भविष्य पर सवाल उठ रहे हैं।

श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए पाकिस्तान टीम का ऐलान, बाबर और शाहीन बाहर

नई दिल्ली । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने आगामी श्रीलंका दौरे के लिए रविवार को टी20 टीम की घोषणा कर दी। पाकिस्तान की टीम अगले महीने श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। सीरीज के तीनों मुकाबले दांबुला में 7, 9 और 11 जनवरी को आयोजित होंगे। टी20 सीरीज के लिए घोषित पाकिस्तानी टीम की कप्तानी सलमान अली आगा को सौंपी गई है। टीम से कई वरिष्ठ खिलाड़ियों को बाहर रखा गया है। पूर्व कप्तान बाबर आजम, तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी, हारिस रऊफ और विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान इस सीरीज का हिस्सा नहीं होंगे। वहीं, युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ख्वाजा नफे को पहली बार 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है।

इस सीरीज के लिए ऑलराउंडर शादाब खान की टीम में वापसी हुई है। 27 वर्षीय शादाब इस वर्ष कंधे की सर्जरी के कारण लंबे समय तक मैदान से दूर रहे थे।

राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में सफल पुनर्वास के बाद वे पूरी तरह फिट हो चुके हैं और फिलहाल ऑस्ट्रेलिया में बिग बैश लीग में खेल रहे हैं।

यह सीरीज पाकिस्तान के लिए आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 से पहले अपनी टीम को अंतिम रूप देने का अवसर प्रदान करेगी।

आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 की शुरुआत 7 फरवरी से हो रही है। टूर्नामेंट का फाइनल मैच 8 मार्च को खेला जाएगा।

श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए पाकिस्तान टीम सलमान अली आगा (कप्तान), अब्दुल समद, अबरार अहमद, फहीम अशरफ, फखर जमां, ख्वाजा नफे, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद सलमान मिर्जा, मोहम्मद वसीम जूनियर, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान, सैम अयूब, शादाब खान, उस्मान खान, उस्मान तारिक।

देश में ओलंपिक शिक्षा, अनुसंधान और खेल आयोजनों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण पहलों की घोषणा

अहमदाबाद । गुजरात के राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू) में स्थित भारत ओलंपिक अनुसंधान और शिक्षा केंद्र (बीसीओआरई) ने प्रदेश और देश में ओलंपिक शिक्षा, अनुसंधान और खेल आयोजनों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण पहलों की घोषणा की है। यह घोषणा शनिवार को अहमदाबाद के कर्णावती क्लब में आयोजित मीडिया संवाद में की गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता आरआरयू के कुलपति डॉ. बिमल एन. पटेल ने की। उनके साथ स्कूल ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स के निदेशक यश शर्मा और भारत ओलंपिक अनुसंधान और शिक्षा केंद्र के निदेशक डॉ. उत्सव चावरे भी मौजूद रहे। इस अवसर पर खेल, अनुसंधान और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ाने की दिशा में विश्वविद्यालय की भूमिका को रेखांकित किया गया। बीसीओआरई की स्थापना जून 2024 में हुई थी। यह अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) से मान्यता प्राप्त भारत और दक्षिण एशिया का पहला ओलंपिक अध्ययन केंद्र है। अपनी स्थापना के बाद से यह केंद्र ओलंपिक शिक्षा, खेल शासन और शोध के माध्यम से भारत में ओलंपिज्म को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहा है। मीडिया संवाद में सबसे बड़ी घोषणा विश्व पुलिस और अग्निशमन खेल 2029 को लेकर की गई। आरआरयू इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय आयोजन की आठ खेल स्पर्धाओं की मेजबानी करेगा। यह पहली बार होगा जब भारत ओलंपिक-शैली के इस वैश्विक आयोजन की मेजबानी करेगा।

इन खेलों में दुनिया भर से पुलिस और अग्निशमन सेवाओं से जुड़े हजारों खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।

डियर साप्ताहिक लॉटरी के ₹1 करोड़ के विजेता बनी

पश्चिम बंगाल के कोलकाता निवासी मधुकानता कामदार

कोलकाता, 28 दिसम्बर। मधुकानता कामदार के करोड़ के विजेता बन गये हैं। इस तरह से मधुकानता कामदार ने भी डियर के करोड़पति की सूची में नाम लिखा लिया है।

26-09-2025 तिथि को ड्रॉ निकाला गया। खेला का नाम है-डियर डेसर फ्राई-डे साप्ताहिक लॉटरी।

उसी दिन उन्हें पता चला कि उन्होंने जो टिकट खरीदा था। उसे 1 करोड़ का प्रथम पुरस्कार मिला है। लक्की टिकट का नंबर है-84 एल 50746। पहले तो उन्हें विश्वास नहीं हुआ। बाद में उन्हें पता चला कि समाचार सही है।

मधुकानता कामदार ने बताया कि डियर साप्ताहिक लॉटरी के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ रहा है। प्रत्येक खेला का सीधा प्रसारण होता है, इसीलिए लोग आकर्षित हो रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी एल.एस. पब्लिकेशन्स प्रा.लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक ममता वाजपेयी द्वारा 4, केनाल वेस्ट रोड, कोलकाता-15 से मुद्रित एवं प्रकाशित। प्रेरक संपादकः राजेन्द्र नारायण वाजपेयी। **संपादकः रितेश वाजपेयी।**
Phone : 2236-1572, 4800 9234, E-mail - bharatmitra1@gmail.com, Fax No.- 033-2215-1533, **हवाई शुल्कः** अगरतला 6 रुपये, गुवाहाटी 5 रुपये, पोर्टब्लेयर 8 रुपये। प्रकाशन से उत्पन्न सभी विवाद कलकत्ता उच्च न्यायालय के अधीन